जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, बुधवार 20 सितम्बर, 2023

सिर्फ 10 दिन में
फिर से 5 लाख तक का फायदा

FIXED PRICE

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

NO MIDDLE-MEN DIRECT TO CUSTOMER

अजमेर रोड़, जयपुर

2 साइड ओपन कोठी और फ्लैट्स | 60 एमेनिटीज

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL 1.5 गुना

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		अगस्त की रेट	सितम्बर की रेट	अक्टूबर की रेट	नवम्बर की रेट	दिसम्बर की रेट	जनवरी की रेट	पजेशन की रेट	POSSESSION DEC. 2025
युनिट टाइप	साइज	NPO NEW PRODUCT OFFER	+5%	+10%	+15%	+20%	+25%	+50%	पजेशन के बाद रैंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

विचार बिन्दु

पराधीनता समाज के समस्त मौलिक निमयों के विरुद्ध है। –मान्तेस्क्यु

चट मंगनी पट ब्याह जैसा है विज़न 2030 दस्तावेज बनाना

सत्ता में बैठे नेताओं को चुनावों से ठीक पहले प्रदेश के चहुंमुखी विकास एवं प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने का संकल्प याद आया है। यह भी याद आया है कि इसके लिए सरकार को यह प्रयास करना है कि राजस्थान वर्ष 2030 तक देश का अठाणी राज्य बने। अपने पांच साल के कार्यकाल के साढ़े चार वर्ष बीत जाने पर राज्य सरकार को अब लगा है कि भावी राजस्थान का नक्शा बनाया जाए। वे इसे विज़न 2030 दस्तावेज कह रहे हैं। सरकारी घोषणा कहती है कि राज्य को देश का अठाणी राज्य बनाने हेतु हर क्षेत्र के लिए मानकों के निर्धारण एवं इन मानकों को प्राप्त करने हेतु संकल्पबद्ध कार्ययोजना तैयार किये जाने के लिएराज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री की आर्थिक सुधार सलाहकार परिषद के नेतृत्व में यह दस्तावेज तैयार किया जा रहा है। अचानक आई इस याद पर काम करने का जबरदस्त प्रचारसरकार शासन तंत्र की मदद और राजकोष के धन से करके यह जताने का प्रयास कर रही है कि वह राज्य के विकास के प्रति कितनी जागरूक और समर्पित है ! सरकारी घोषणा कहती है कि "यह आवश्यक है कि इस दस्तावेज में प्रदेश के प्रबुद्धजनों, विषय विशेषज्ञों, हितधारकों, युवाओं एवं समाज के सभी वर्गों के सुझावों एवं प्रदेशवासियों की आकांक्षाओं व अपेक्षाओं को सम्मिलित किया जावे।" इसलिए लोगों की राय जानने के लिए राज्य में 15 अगस्त से अभियान चलाया जा रहा है जो 30 सितंबर तक चलेगा। इसे "राजस्थान–मिशन 2030 अभियान नाम दिया गया है। लोग चिट्ठी लिख कर, ईमेल करके, और इसके लिए बनाए गए पोर्टल पर लोग अपने सुझाव दे सकते हैं। इसके लिए शासन तंत्र स्कूलों में बच्चों की निबंध प्रतियोगिताएं करा रहा है तो राहगीरों तक से फटाफट कागज काले कराए जा रहे हैं। इस भरे पूरे आयोजन के लिए सरकारी वेबसाइट पर बताया गया है कि राजस्थान–मिशन 2030 अभियान के अन्तर्गत जो प्रमुख गतिविधियां संचालित की जायेंगी उनमें शामिल हैं: इस मिशन के उद्देश्यों एवं अपेक्षाओं के बारे में मुख्यमंत्री द्वारा संबोधन, तथा उनका विभिन्न हितधारकों/प्रभावशाली समूहों के साथ संवाद/मुलाकात, आमजन से ऑनलाइन अपेक्षाएं/विचार/सुझाव आमंत्रित करना, विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों से इस संबंध में ऑनलाइन विचार/ सुझाव आमंत्रित करना, विभागीय स्तर पर संबंधित हितधारकों के साथ गहन परामर्श करना, फेस टू फेस सर्वे करना, आईवीआर सर्वे करना, स्कूलों/कॉलेजों में मिशन 2030 के लिए लेख प्रतियोगिताएं आयोजित करना, वीडियो कॉन्टेस्ट कराना, विभागों द्वारा विभागीय मिशन दस्तावेज – 2030 के प्रारूप तैयार करना, विभागीय मिशन दस्तावेजों का सेक्टर–वाईज प्रकाशन करना तथा अंत में राज्य के विजन–2030 दस्तावेज को जारी करना। यह समय के विरुद्ध रेस है क्योंकि चुनाव आचार संहिता लगने से पहले यह अभ्यास पूरा करना है ताकि लोग इस सपने को लेकर मतदान केंद्रों पर पहुंचें।

सरकार के प्रमुख, जिनके चेहरे पर सारा सरकारी प्रचार हो रहा है, वे एक विशेष प्रकार का पट्टू गले में डाले आश्वस्त लगते हैं कि चट मंगनी पट ब्याह की तरह 2030 का विज़न दस्तावेज़ बना दिया जाय तो अन्य राहतों की बरसात में वोटों की खेती की अच्छी फसल लेने के लिए यह खाद का काम कर सकता है। यह प्रयास भी है कि प्रचार के मुलम्मे में सत्ता में चल रही वर्चस्व की बदसूरत जंग छुप जाये और हर एक के हाथ में राहत का ऐसा झुनझुना पकड़ा दिया जाये जिसकी खनखनाहट में आम जन के दर्द की कराहटें सुनाई न पड़े। व्यक्तिगत प्रचार के लिये सरकारी संसाधनों का भरपूर राजनीतिक उपयोग इस प्रकार हो रहा है जैसे राजकोष सत्ता में बैठे राजनेताओं की निजी गुल्लक है। राजस्थान में सत्ता बरकरार रखने की कोशिश में 'ब्रांड गहलोत' तैयार किया गया है जिसका अंतर्निहित भाव सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर या बाहर उनकी हर प्रकार की चुनौती को खत्म किया जाए। मैं तुम्हें राहतें देता हूं तुम मुझे वोट देना व्यापारिक सौदा करने जैसा है। मतदाताओं से आशा की जा रही है कि सरकार से प्राप्त लाभों के लिए वे अपना वोट देकर अहसान से उऋण हों। फ्रेंचाइजी मोड ने नेताओं की भौतिक लाभ की भूख भी बढ़ा दी है और दिखावे की नैतिक राजनीति को भी ताक पर रख दिया गया है। राहतों के नाम पर कैश, सामठी और सब्सिडी देकर वोटों का प्रबंधन करने की कोशिश है। इसे आर्थिक विश्लेषक गैर–कॉर्पोरेट प्रकार के पूंजीवाद का मॉडल बताते हैं।

यदि कोई पूछे कि ये बातें सरकार को अपने कार्यकाल के अंत समय में ही क्यों सूझती है तो प्रचारतंत्र इतना शोर मचाता है कि सवाल सुनाई ही नही पड़ता। इस सवाल को भी नज़रंदाज़ कर दिया जाता है कि राज्य के प्रशासन तंत्र को आम जन के प्रति जिम्मेदार बनाने के लिए मुख्यमंत्री को जवाबदेही कानून बनाने की अपनी ही घोषणाएं और वादे क्यों याद नहीं आए!

राजस्थान विज़न 2030 के लिए, मुख्य सचिव के अनुसार, ढाई करोड़ से अधिक सुझाव मिल भी चुके हैं। प्रशासन तंत्र की मुखिया का कहना है कि सारगर्भित सुझावों को विजन दस्तावेज में शामिल किया जाएगा। जन कल्याण एप के माध्यम से फेस–टू–फेस सर्वे भी किया जा रहा है जिसके तहत लगभग डेढ़ करोड़ से अधिक प्रदेशवासियों तक पहुँच गया है। जिस संख्या में सुझावों का मिलना बताया गया है उसके हिसाब से तो 30 सितंबर तक उनकी संख्या शर्तिया तीन करोड़ से ऊपर पहुंच जाएगी। इसे हम लोकतंत्र में जन भागीदारी मान लें तो अब गेंद सरकार के पाले में है। तीन करोड़ से अधिक सुझावों को आर्थिक सुधार सलाहकार परिषद के नेतृत्व में कौन सारणीबद्ध करेगा, कौन पढ़ेगा और कौन उनका सार निकाल कर उनको विज़न दस्तावेज में शामिल करने के लिए छांटेगा? यह काम आनन–फानन में कुछ दिनों में नहीं हो सकता। मगर सरकारी तंत्र कुछ भी कर देने का जादू दिखा सकता है। बेहतर होता मुख्यमंत्री पहले खुद बताते कि उनका अपना विज़न क्या है या अपनी पार्टी से विजन दस्तावेज का प्रारूप बनवाते उसे सर्वजनिक करते और उस पर लोगों से राय मांगते। इस अभ्यास से लगता है उनकी स्लेट कोरी है और उस पर क्या लिखना है वह लोगों से पूछा जा रहा है। विजन के पहले उसका दर्शन आवश्यक होता है जिससे पता चले कि किस आधार पर 2030 में पहुंचने का सपना देखा जाए। लेकिन यहां तो जुगाड़ है।

आज हमारे राजनेताओं तथा प्रशासन तंत्र में एक ही सोच दिखता है कि प्रचार के जरिए किस प्रकार लोगों के विचारों पर नियंत्रण रखा जाए। गांव स्तर से लगा कर राजधानी तक सब जगह यही हाल है। सभी इसे साधने में लगे हैं। कानूनों को कैसे नज़रंदाज़ किया जाए या उनका दुरुपयोग कैसे किया जाए। हर जगह निहित स्वार्थों का बोलबाला है। रोज भष्टाचारियों को पकडे जाने की खबरें आती है मगर किसी को कानून का भय सताता नज़र नहीं आता। अब तो भष्टाचार में पकड़े जाने पर सामाजिक प्रतिष्ठा पर भी असर नहीं होता। रिश्वत लेने वालों की निगाहें नीची नहीं होती, उनमें गजब का आत्मबल दिखता है। पहले गली मोहल्लों में ही दादा होते थे राजनीति के लोग उनसे कभी कभार मदद ले लिया करते थे। अब वे दादा खुद ही राजनेता बनने लगे हैं। ऐसे में लोग क्या करें? वे इन्हें रॉबिनहुड मान कर अनेक बार सांविधानिक संस्थाओं में भेज देते हैं। आपराधिक मामलों का सामना करने वाले निर्वाचित प्रतिनिधियों की सूची देखने पर अब किसी को आश्चर्य भी नहीं होता। कोई भी इनके सामने खड़ा होने की हिम्मत नहीं करता क्योंकि राज में जाने और बने रहने के लिए इनकी मदद लेनी होती है। भ्रष्टाचार अब लोकतान्त्रिक संस्थाओं के अस्तित्व को ही संकट में डालने की कगार पर है। हालात किसी के नियंत्रण में नहीं है। भ्रस्टाचार का एक परनाला बंद करते हैं तो पाते हैं कि उसने तो नई नलियां बना ली है।

मगर चुनाव सत्ता में बैठे नेताओं को लोक हित में कुछ करने के लिए बाध्य करते हैं, और यह लोकतंत्र का मजबूत पहलू है। किसी भी लोक कल्याणकारी सरकार को अपने राज्य को अग्रणी बनाने का सपना होना ही चाहिए। जनता इसी आस में हर पांच साल में एक बार मतदान केंद्रों पर जाकर अपने प्रतिनिधि चुनती है। आम आदमी के सपने को यदि विजन 2030 बनाया जाए तो वह एक ऐसा आधुनिक, सुखीऔर समृद्ध राजस्थान होगा जहां समृद्धि और सुविधाओं का लाभ राजनेताओं के साथ गठजोड़ करके बाजार की आवारा ताकतें नहीं चुरा पायेंगी; सरकारी स्कूलों के बच्चों को आलीशान निजी स्कूलों जैसी भौतिक सुविधाएं भले ही न मिले मगर वहां शिक्षकों के सैकड़ों पद खाली न रहेंगे और वे पूरे समय स्कूलों में उपलब्ध रह कर बच्चों की पढ़ाई पर मेहनत करेंगे; सरकारी अस्पताल और डिस्पेंसरियां पांच सितारा होटलों जैसे निजी अस्पतालों की इमारतों की नकल नहीं करेंगी मगर वहां चिकित्सक और अन्य स्टाफ ईमानदारी तथा सेवा भावना से काम करते मिलेंगे; नागरिक सुविधाएं सिंगापुर जैसी भले न हों मगर शर्मनाक भी नहीं होंगी; किशोर छात्रों की आत्महत्याओं, बलात्कारों, जाति और संप्रदाय की हिंसा और दुर्घटनाओं की खबरें रोज पढ़ने को नहीं मिलेंगी और राजस्थान के आम जन को सरकारी सेवाओं में सर्वव्यापी भ्रष्टाचार से निजात मिलेगी। यह कोई नया विजन नहीं है। हम रियासती राजस्थान से गणतांत्रिक राजस्थान बनने के समय से ही यह सपना देखते आए हैं। चुनाव घोषणापत्रों में भी विजन ही होता है जिसे पाने के लिए प्रत्येक पार्टी सत्ता पर काबिज होने के लिए चुनाव में नागरिकों का मत पाना चाहती है। ऐसी बातें चुनाव के समय में अधिक मुखर हो उठती है। यदि कोई पूछे कि ये बातें सरकार को अपने कार्यकाल के अंत समय में ही क्यों सूझती है तो प्रचारतंत्र इतना शोर मचाता है कि सवाल सुनाई ही नही पड़ता। इस सवाल को भी नज़रंदाज़ कर दिया जाता है कि राज्य के प्रशासन तंत्र को आम जन के प्रति जिम्मेदार बनाने के लिए मुख्यमंत्री को जवाबदेही कानून बनाने की अपनी ही घोषणाएं और वादे क्यों याद नहीं आए!

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

उत्तम मार्दव धर्म अर्थात् विनयशीलता, कोमलता, मृदुता का भाव होना

भागचंद जैन मित्रपुरा

जैन धर्म के दशलक्षण धर्म आत्मा के स्वाभाविक धर्म है । ये दस धर्म सार्थक जीवन जीने के अभिन्न अंग है । आज द्वितीय दिवस – उत्तम मार्दव धर्म दिवस है ।

मार्दव अर्थात् विनयशील होना, मृदुता, कोमलता का भाव होना और मान, मद, अभिमान, अहंकार आदि दुर्गुणों का अभाव होना । किसी अहंकारी की तुलना मादक पदार्थ का सेवन करने वाले नशे में चूर व्यक्ति से से की जाती है। जैसे नशे में चूर व्यक्ति को कोई समझा नहीं सकता, औरों की तो बात ही क्या उसके सगे संबंधी जन भी उसे समझाने में असमर्थ होते हैं, उसी प्रकार प्रमादी, अभिमानी व्यक्ति को भी कोई समझा नहीं सकता ।

याद रखिए, जो विनयशील है उसका त्याग दान इत्यादि करना सफल है, फलदायक होता है लेकिन अभिमानी का सब निष्फल है ।अभिमानी के बिना अपराध किए ही सब लोग उसके दुश्मन हो जाते हैं, सभी लोग अभिमानी की निंदा करते हैं, उसके किसी भी दुखः में कोई साथ देना नहीं चाहता है और प्रतिपल उसका पतन होते देखना चाहते हैं। अभिमानी व्यक्ति अपनी किसी अनपेक्षित तात्कालिक उपलब्धि पर अपने आप को शक्तिशाली समझने लगता है । अहंकारवश उसके हित/अहित की बात भी उसे समझ में नहीं आती है । वह अपने झूठे मान के लिए छल–कपट करता है तथा वांछित परिणाम प्राप्त नहीं होने पर क्रोधित हो जाता है । मान कषाय यानी अभिमान के कारण जीव अकड़ में रहता है ।

सुविचार के अनुसार अकड़ निर्जीवता का लक्षण है। हरी–भरी डालियां अपने लचीलापन से आंधी तूफान सहन करने की क्षमता रखती है एवं अपने अस्तित्व बचाने के साथ विकसित होती रहती है, लेकिन सूखी डाली जो कड़क रहती है, जो तेज हवा, आंधी–तूफान सहन नहीं कर सकती है, उसकी नियति अंततः पेड़ से कटकर अलग होना ही है । इसी प्रकार अकड़ने वाला व्यक्ति समाज में, परिवार में, कहीं भी स्वीकार्य नहीं होता है । वैसे भी मृत शरीर ही अकड़ता है और ऐसे शरीर को मिट्टी में मिला दिया जाता है यानी उसका अस्तित्व समाप्त हो जाता है । तात्पर्य यह है कि जो व्यक्ति झुकना जानता है जिसमें परिस्थिति के अनुसार ढलने की क्षमता है, वही व्यक्ति आत्मा के सहज स्वाभाविक विनय– मार्दव धर्म की आराधना करता है एवं समझौता किए बिना अपना वर्चस्व कायम रख सकता है ।

अकसर धन, दौलत, शान और शौकत को ही मनुष्य अपना जीवन समझता है, जबकि ये सभी नाशवान है, क्षणभंगुर हैं ये सभी चीजें एक दिन सबको छोड देंगी या फिर एक दिन मजबूरन इन चीजों को छोडना ही पडेगा । अतः इन तुच्छ नाशवान चीजों के पीछे भागने से अच्छा है कि अभिमान और परिग्रह को छोडा जाये और सभी से विनम्र भाव से व्यवहार करे । सभी को एक न एक दिन जाना ही है, तो सबसे पहले स्वयं को पहचाने । मैं कौन हूं, यह जानने की कोशिश कर । मार्दव धर्म हमें स्वयं की सही वृत्ति को समझने का माध्यम है।

उत्तम मार्दव विनय प्रकासै, नाना भेदज्ञान सब भासै ।

उत्तम मार्दव धर्म का पालन करने से विनयशीलता का भाव प्रकट होता है एवं विविध भेद ज्ञान समझ में आने लगते है।

दशलक्षण धर्म के एक एक धर्म सम्पूर्ण है, प्रत्येक का अपना महत्व है।

अपनाकर देखिए ।

–भागचंद जैन मित्रपुरा,
अध्यक्ष, अखिल भारतीय
जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर।

हिन्दू मुसलमानों की एकता के प्रतीक एवं वंचित समाज के मसीहा लोक देवता रामसापीर

डा. जे.के. गर्ग

विक्रम संवत 1409 की भादवा शुक्ल दूज के दिन पश्चिम राजस्थान के पोकरण शहर के नजदीक रुणिचा नामक स्थान के शासक अजमल के घर बाबा रामदेव का अवतार हुआ था । राजस्थान के जन जन के मसीहा पांच पीरों मे बाबा रामसा पीर का प्रमुख स्थान है। बाबा रामदेव तंवर राजपूत थे जिसे मान्यताओं के मुताबिक भगवान विष्णु के अवतार के रूप में पूजा जाता है। मान्यताओं के मुताबिक राजा अजमल ने पुत्र प्राप्ति हेतु दान पुण्य और अनेकों यज्ञ किये । द्वारकाजी में अजमल जी को भगवान के साक्षात दर्शन हुए तब राजा अजमल ने उनसे उनके घर में उनके पुत्र के रूप में जन्म लेने की याचना की तब भगवान द्वारकानाथ ने राजा अजमल ने कहा मैं तुम्हे वचन देता हूँ कि तुम्हारा पहला बेटा वीरमदेव होगा और दूसरे बेटे के रूप में मै खुद तुम्हारे आपके घर आउंगा।

भगवान ने यह भी कहा कि जब में अवतरित होउंगा तब उस रात आपके राज्य के जितने भी मंदिर है उसमें घंटियां अपने आप बजने लग जायेगी, महल में जो भी पानी होगा वह दूध में बदल जाएगा तथा मुख्य द्वार से जन्म स्थान तक कुमकुम के पैर नजर आयेंगे वहीं आकाशवाणी भी सुनाई देगी और में रामदेव जी के नाम से प्रसिद्ध हो जाउँगा। कहा जाता है कि श्री रामदेव जी के जन्म लेते ही ऐसी सभी चमत्कारिक घटनाएं घटित हुई । समय के साथ–साथ बाबा रामदेव जी की प्रसिद्धि भारतवर्ष के साथ दुनिया के अनेकों देशों में फेल गई। बाबा रामदेव जी से प्रभावित होकर उस समय के हजारों हिन्दू जो मुसलमान बन गये थे पुनः हिन्दू धर्म में परिवर्तित होने लगे।

रारामदेव जी के बचपन की अद्भुत घटनायें एक दिन सुबह रामदेव एवं विरमदेव अपनी माता मैणादे की गोद में खेल रहे तब उनकी मां दूध को गर्म करने के लिये उसे भगोनी में डाल कर चूल्हे पर चढ़ाने चली गई, उसी वक्त रामदेव जी अपनी माता को चमत्कार दिखाने के लिये अपने बड़े भाई विरमदेव जी के गाल पर चुमटी काट दी जिससे विरमदेव को क्रोध आ गया और उन्होंने राम देव को धक्का मार कर गिरा दिया । रामदेवजी गिर गये और रोने लगे हैं। रामदेव जी के रोने की आवाज सुनकर माता मैणादे दूध को चुल्हे पर ही छोड़कर उनके पास आ गई और रामदेव जी गोद में लेकर पुचकारने लगी।

उधर दूध को भगोनी के बाहर गिरता देखती माता मैणादे रामदेवजी को गोदी से नीचे उतारना चाह रही थी किन्तु उन्होंने उस वक्त देखा रामदेवजी अपना हाथ दूध की ओर करके अपनी देव शक्ति से उस बर्तन को चूल्हे से नीचे आसानी से जमीन पर रख दिया। यह चमत्कार देखकर माता मैणादे वहीं पर उपस्थित पिता अजमलजी तथा नोकर–चाकर अचम्भित होकर भगवान द्वारकानाथ की जय जयकार करने लगे । कपड़े के घोड़े को आकाश में उड़ना बालक रामदेव ने अपने पिता से खिलोने वाले घोड़े की जिद की तब राजा अजमल ने खिलोने वाले को चन्दन और मखमली कपडे का घोड़ा बनाने को कहा। कीमती मखमली कपड़ों को देख खिलोने वाले के मन में लालच आ गया और उसने बहुत सारा कपडा अपनी पत्नी के लिये रख लिया और और बहुत कम कपड़े से घोडा बना कर राजा को दे दिया । जब बालक रामदेव घोड़े पर बैठे तो घोड़ा उन्हें लेकर आकाश में चला ग़या। राजा खिलोने बनाने वाले पर गुस्सा होते उसे जेल में डाल दिया। कुछ समय पश्चात, बालक रामदेव वापस घोड़े के साथ आये। खिलोने वाले ने राजसी कपड़े को चुराने की बात कबूल कर रामदेवजी से उसे राजा के क्रोध से बचाने के लिये प्राथना की, बाबा रामदेव ने दया दिखाते हुए उसे माफ़ किया। आज भी, कपड़े वाला घोड़ा बाबा रामदेव की खास बढ़ावा माना जाता है।

रामापीर का प्रसिद्ध मेला उत्तर भारत में धूमधाम गाजेबाजे के साथ हर साल दस दिन भाद्रपद शुक्ल 2 से भाद्रपद शुक्ल 11तक मनाया जाता है इस वर्ष यह मेला 7 17 सितंबर 2023 से 26 सितम्बर 2023 तक मनाया जा रहा है । राजस्थान से ही नहीं गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से भी हजारों श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं। रामदेवरा मेला में हज़ारों भक्त दूर–दूर से बड़े–बड़े समुहों में नाचते गाते–भजन कीर्तन करते हुये पैदल, बसों,कारों, बेलगाड़ियों ट्रेक्टर या अन्य साधनों से आते है मुसलमानों के मसीहा लोक देवता रामदेव जी रामदेव पीर, रामसा पीर, के नामों से जाने जाते हैं।

निसंदेह रामदेवजी का मन्दिर हिन्दू और मुसलमानों की आस्था का केंद्र है और हिन्दुस्तान की गंगा जमुना साँझा संस्कृति की अद्भुत मिशाल पेश करता है इस पवित्र जगह को साम्प्रदायिक सद्भाव संगम कहा जाता है।

रामापीर का प्रसिद्ध मेला उत्तर भारत में धूमधाम गाजेबाजके साथ हर साल दस दिन भाद्रपद शुक्ल 2 से भाद्रपद शुक्ल 11 तक मनाया जाता है इस वर्ष यह मेला 17 सितंबर 2023 से 26 सितम्बर 2023 तक मनाया जा रहा है । राजस्थान से ही नहीं गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से भी हजारों श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं। रामदेवरा मेला में हज़ारों भक्त दूर–दूर से बड़े–बड़े समुहों में नाचते गाते–भजन कीर्तन करते हुये पैदल, बसों, कारों, बेलगाड़ियों ट्रेक्टर या अन्य साधनों से आते है मुसलमानों के मसीहा लोक देवता रामदेव जी रामदेव पीर, रामसा पीर, के नामों से जाने जाते हैं । निसंदेह रामदेवजी का मन्दिर हिन्दू और मुसलमानों की आस्था का केंद्र है और हिन्दुस्तान की गंगा जमुना साँझा संस्कृति की अद्भुत मिशाल पेश करता है इस पवित्र जगह को साम्प्रदायिक सद्भाव संगम स्थल भी कहा जाये तो अतिशयोक्ति नहीं होगी ।

जन के सेवक और उनके कष्टों को मिटाने वाले रामसापीर रामदेवजी ने राजा बनकर नही अपितु जनसेवक बनकर गरीबों, दलितों, असाध्य बीमारियों से पीड़ित रोगियों व जरुरत मंदों की हर सम्भव से सहायता और सेवा की। उनकी दया के पात्र हिन्दुओं के साथ मुस्लिम भी होते थे । संवत् 1442 में अपने हाथ में श्रीफल लेकर अपने सारे बुजुर्गों को प्रणाम किया, सभी उपस्थित भक्तों ने पत्र पुष्प चढ़ाकर रामदेव जी का श्रद्धा से अन्तिम पूजन किया। रामदेव जी ने समाधी में खड़े होकर सब के प्रति अपने अन्तिम उपदेश देते हुए कहा प्रति माह की शुक्ल पक्ष की दूज को पूजा पाठ, भजन कीर्तन करके पर्वोत्सव मनाना, रात्रि जागरण करना। प्रतिवर्ष मेरे जन्मोत्सव के उपलक्ष में तथा अन्तर्ध्यान समाधि होने की स्मृति में मेरे समाधि स्तर पर मेला लगेगा। मेरे समाधी पूजन में किसी से भेदभाव मत रखना। मैं सदैव अपने भक्तों के साथ रहुँगा ऐसा कहकर रामदेव जी महाराज ने समाधि ले ली।

रामदेव मन्दिर मंदिर के समीप ही स्वयं रामदेव जी द्वारा खुदवाई गई परचा बावड़ी अपनी स्थापत्य कला में बेजोड़ है। इस बावड़ी का निर्माण फाल्गुन सुदी तृतीया विक्रम संवत् 1897 को पूर्ण हुआ। बावड़ी का जल शुद्ध व मीठा है। बावड़ी का निर्माण रामदेव जी के कहने पर बाणिया बोयता ने करवाया था। बावड़ी पर लगे चार शिलालेखों से पता चलता है कि घामट गांव के पालीवाल ब्राह्मणों ने इसका पुनर्निर्माण कराया था। इस बावड़ी का जल रामदेवजी का अभिषेक करने के काम में लाया जाता है।

समाधी स्थल के पास ही रामदेव जी की परम भक्त शिष्या डाली बाई की समाधि और कंगन हैं। डाली बाई का कंगन पत्थर से बना है और इसके प्रति धर्मालुओं में गहरी आस्था है। मान्यता के अनुसार इस कंगन के अन्दर से होकर निकलने पर सभी प्रकार के रोग दूर हो जाते हैं। मंदिर आने वाले लोग इस कंगन के अन्दर से निकलने पर ही अपनी यात्रा पूर्ण मानते हैं।

रामदेवरा मंदिर बीकानेर के महाराजा श्री गंगा सिंह जी ने रामदेवजी के वर्तमान मंदिर का निर्माण सन् 1939 में करवाया था, उस वक्त इसके निर्माण पर 57 हजार रुपये व्यय हुए थे। रामदेवरा मंदिर अपने आप में अनोखा है क्योंकि यहाँ बाबा रामदेव की मूर्ति भी है और मजार भी । माना जाता है कि बाबा के पवित्रा राम सरोवर में स्नान से अनेक चर्म रोगों से मुक्ति मिलती है । रामदेवरा मंदिर में आस पास के श्रद्धालुओं के साथ साथ राजस्थान के दूरदराज एवं गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश आदि प्रान्तों के हजारों श्रद्धालु भी आते हैं। पैदल यात्रियों के समूह मेले के दिन से बहुत पहले से बाबा की जयकार करते हुये, भजन कीर्तन करते हुए बाबा के दर्शन करने और मनोती मांगने पहुचते है।

इन श्रद्धालुओं के चाय–पानी तथा खाने पीने के लिए रास्तों में अनगनित भंडारे स्थानीय भक्तों दुवारा लगाये जाते हैं । यहां कोई न छोटा होता है न कोई बड़ा। यहां मंदिर में नारियल, पूजन सामग्री और प्रसाद की भेंट चढाई जाती है । मंदिर के बाहर और धर्मशालाओं में सैकड़ों यात्रियों के खाने–पीने का इंतजाम होता है । मेले के दौरान बाबा के मंदिर में दर्शन के लिए चार से पांच किलोमीटर लंबी कतारें लगती हैं । निसंतान दम्पत्ति कामना से अनेक अनुष्ठान करते हैं तो मनौती पूरी होने वाले बच्चों का झड़ूला उतारते हैं और सवामणी करते हैं । रोगी रोगमुक्त होने की आशा करते हैं तो दुखी आत्माएं सुख प्राप्ति की । यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि सैकड़ो श्रद्धालु पहले जोधपुर में बाबा के गुरु के मसूरिया पहाड़ी स्थित मंदिर में भी दर्शन करना नहीं भूलते हैं और उसके बाद जैसलमेर की तरफ रामदेवरा मन्दिर की तरफ कूच करते हैं । बहुत से लोग रामदेवरा में मन्नत भी मांगते हैं और मुराद पूरी होने पर कपड़े का घोड़ा बनाकर मंदिर में चढ़ाते हैं । निःसंदेह रामदेवजी का मन्दिर हिन्दू और मुसलमानों की आस्था का केंद्र है और हिन्दुस्तान की साँझा संस्कृती की मिशाल पेश करता है ।

–डा. जे.के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक
कॉलेज शिक्षा जयपुर

मां शाकंभरी का मेला भादवा सुदी अष्टमी को भरेगा

सांभरझील, (निसं)। यहां से 25 किलोमीटर सुदूर पहाड़ी पर स्थित मां शाकंभरी का भादवा सुदी अष्टमी को वार्षिक मेला भरेगा। मेले से एक दिन पहले आसपास के क्षेत्रों से माता के दरबार के लिए पदयात्रियों का जत्था भी रवाना होगा।

सांभर नकाशा चौक स्थित माताजी के चबूतरा से भी पूजा अर्चना के बाद रवाना होंगे। सैंकड़ों की तादाद में माता के दर्शन व परिवार की खुशहाली के लिए महिला श्रद्धालु व भक्तगण दूरदराज से भी यहां पहुंचते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माना जाता है कि शाक पर आधारित तपस्या के कारण शाकंभरी नाम पड़ा। इस तपस्या के बाद यह स्थान हराभरा हो गया। नंदीकेश्वर मेला कमेटी के अध्यक्ष कुलदीप व्यास ने बताया कि

सांभरझील में सुदूर पहाड़ी पर स्थित मां शाकंभरी की प्रतिमा।

शाकम्भरी को दुर्गा का अवतार भी माना जाता है। शाकंभरी माता के देशभर में तीन शक्तिपीठ है। इनमें से सबसे प्राचीन शक्तिपीठ सांभर (शाकंभर) कस्बे में स्थित है। मंदिर करीब 2500 साल से भी अधिक

■ यहां प्रतिमा के संबंध में मान्यता है कि देवी की यह प्रसिद्ध मूर्ति भूमि से स्वतः प्रकट हुई है

पुराना है। शाकंभरी माता चौहान वंश की कुलदेवी है लेकिन, माता को अन्य कई धर्म और समाज के लोग पूरी श्रद्धा के साथ पूजते हैं। इस मंदिर में पूजा अर्चना का जिम्मा व्यास पुजारी प्रमुखता से अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। यहां पर मान्यता पूरी होने पर जैसे परिवारों में विवाह, बच्चे का जन्म जैसे शुभ कार्य होने पर यहां धोक लगाने की परंपरा है। मंदिर में भादवा सुदी अष्टमी को मेला आयोजित होता है। दोनों ही नवरात्रों में माता के दर्शन करने के लिए दूर–दूर से भक्त आते हैं।

यहां प्रतिमा के संबंध में मान्यता है कि देवी की यह प्रसिद्ध मूर्ति भूमि से स्वतः प्रकट हुई है। विभिन्न लेखों के अनुसार, चौहान वंश के शासक वासुदेव ने सातवीं सदी में सांभर झील और सांभर नगर की स्थापना शाकंभरी माता के मन्दिर के पास की थी। शाकंभरी के नाम से ही शाकंभर नगर प्रसिद्ध हुआ और कालांतर में धीरे–धीरे अपभ्रंश सांभर के नाम से जाना जाने लगा। महाभारत, शिव पुराण और मार्कण्डेय पुराण जैसे धर्म ग्रंथों में माता शाकंभरी का उल्लेख मिलता है। इसके अनुसार,100 साल तक निर्जन स्थान पर जहां बारिश भी नहीं होती थी माता ने तपस्या की थी। इस तपस्या के दौरान माता ने केवल महीने में एक बार शाक यानि वनस्पति का सेवन किया था।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 20 सितम्बर, 2023

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2080, विशाखा नक्षत्र दिन 2:59 तक, विष्कुम्भ योग रात्रि 3:05 तक, बालव करण दिन 2:17 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 8:44 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–तुला, मंगल–कन्या, बुध–सिंह, गुरू–मेष, शुक्र–कर्क, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

कुमार योग 2:59 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग दिन 2:59 से आरम्भ होगा। आज ऋषि पंचमी, भाई पांच, जैन सम्वत्सरी (पचमी पक्ष) है। आज रक्षा पंचमी, गुरू पंचमी है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:19 तक, शुभ 10:50 से 12:20 तक, चर 3:22 से 4:52 तक, लाभ 4:52 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:18, सूर्यास्त 6:24

मेष
अपनां कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों में परेशानी हो सकती है। आपसी वाद–विवाद, मतभेद बढ़ने का भय बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या
आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। घर–परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मीन
धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 28 संख्याः 52 प्रभात अजमेर, बुधवार 20 सितम्बर, 2023 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

क्या महिला आरक्षण राजनीति से चुनावों में लाभ होगा भाजपा को

चुनावी विश्लेषकों की मानें तो ऐसी संभावना बहुत ही कम है

- सूत्रों के अनुसार, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक विधानसभा चुनाव में हार के बाद प्र.मंत्री मोदी की लोकप्रियता के गिरते ग्राफ को रोकने के लिए भाजपा नित नए शगूफे छोड़ रही है, जैसे भारत बनाम इंडिया आदि।
- एक सवाल यह भी है कि, क्या मोदी सरकार पूरी तैयारी के बिना ही वाहवाही लूटने के लिए बिल ले आई है।
- क्योंकि लोकसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण, तब ही दिया जा सकता है जब पहले जनगणना हो, जो 2026 में होनी है और फिर चुनाव क्षेत्रों का परिसीमन हो।
- हालांकि लोकसभा में पूर्ण बहुमत व राज्यसभा में पर्याप्त समर्थन के आधार पर सरकार यह बिल पारित करवा लेगी पर इसका क्रियान्वयन चार साल बाद ही हो सकेगा।

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। ऐसी संभावना दिखाई नहीं दे रही कि महिला आरक्षण विधेयक की राजनीति आगामी विधानसभा चुनावों तथा उसके बाद अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनावों से पूर्व भाजपा के पक्ष में अपना असर दिखायेगी। हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में चुनावी हार के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता में आ रही कमी को लेकर बन रही धारणा से चिंतित भाजपा का शीर्ष नेतृत्व विभिन्न प्रकार से जनमत परख की कोशिश कर रहा है- उदाहरण के लिये, भारत बनाम इंडिया बहस छेड़ना तथा समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड) का मुद्दा उठाना आदि। ऐसा प्रतीत होता है कि 2024 के चुनावों से सात माह पूर्व, महिला आरक्षण विधेयक को लोकसभा में पेश करने का निर्णय लोकसभा चुनावों से पहले एक और अनुचित लाभ लेने की कोशिश है।

जहाँ इस विधेयक को पेश किये जाने के निर्णय की भाजपा सरकार की पूरी योजना अगले चन्द दिनों में उजागर हो जाने की उम्मीद है, वहीं इस समय कई प्रश्न भी पैदा हो रहे हैं। यह विधेयक मोदी सरकार के अंतिम वर्ष में ही क्यों पेश किया गया है? कोटा के अंदर कोटा के सिद्धांत के ढाँचे के अन्तर्गत, ओ.बी.सी. को शामिल किये जाने की माँग से सत्तारुढ़ दल कैसे निपटेगा? और सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह कि, क्या मोदी सरकार पर समय से काफी पहले रिबन काटे जाने का आरोप नहीं लगेगा?

लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक का यथार्थतः पारित होना जनगणना प्रक्रिया के पूरे होने (2026 में) के बाद में संभव हो सकेगा। जनगणना के बाद ही चुनाव क्षेत्रों के परिसीमन का कार्य सम्पन्न होगा। लोकसभा में भाजपा का जबरदस्त बहुमत होने तथा राज्यसभा में भी पर्याप्त संख्याबल होने से ऐसी संभावना है कि, सरकार संसद में महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने में सफल हो जायेगी। लेकिन यदि यह चार साल या इससे भी अधिक समय बाद ही लागू हो पाएगा, तो इस मुद्दे से आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा को सीमित मात्रा में ही लाभ मिल पायेगा।

कांग्रेस, एक प्रकार से, इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की स्वप्रशंसा को चुराने में सफल रही है। पंचायती राज विधेयक राजीव गांधी सरकार ने पारित किया था, जबकि मनमोहन सिंह सरकार ने 2010 में महिला आरक्षण विधेयक राज्यसभा में पारित करा लिया था। सी.डब्ल्यु.सी की विभिन्न मीटिंगों में, तथा अभी हैदराबाद में हुई सी. डब्ल्यु.सी की मीटिंग में, सोनिया गांधी पूरी दृढ़ता के साथ मांग करती रही हैं कि, महिला आरक्षण विधेयक पारित कराया जाये। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी यही मांग की थी। इसलिये ऐसी संभावना दिखाई नहीं देती कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अकेली भाजपा को ही इसका पूरा -पूरा चुनावी लाभ मिलेगा।

पूर्व आईजी को मौत के 13 साल बाद मिला न्याय

जयपुर, 19 सितंबर। आईजी जेल के के पद से 32 साल पहले रिटायर हुए रामानुज शर्मा को मौत के करीब 13 साल बाद हाईकोर्ट से न्याय मिला है। हाईकोर्ट ने उनकी पेंशन काटने के 24 साल पुराने आदेश को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही काटी गई राशि नौ फीसदी ब्याज सहित लौटाने के निर्देश दिए हैं।

- स्व. रामानुज शर्मा 32 साल पहले, आई.जी. (जेल) के पद से रिटायर हुए थे। रिटायरमैंट के दिन उन्हें 17 साल पुराने मामले में चार्जशीट देकर पेंशन परिलाभ रोक दिए गए थे। हाई कोर्ट में 24 साल चले इस केस में अंततः स्व. शर्मा के सभी पेंशन परिलाभ मय ब्याज लौटाने के आदेश दिए गए हैं।

जस्टिस अनूप ढंड ने यह आदेश रामानुज शर्मा के उत्तराधिकारी राम मधुकर शर्मा व अन्य की याचिका पर दिए।

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि, रामानुज शर्मा तीस जून, 1991 को रिटायर होने वाले थे, लेकिन उन्हें 17 साल पुराने एक मामले में 29 जून, 1991 को चार्जशीट दी गई। जिससे उनके पेंशन परिलाभ रुक गए। वहीं, जून 1999 को लंबित मामले में दो साल तक उनकी पेंशन में से पांच फीसदी राशि काटने की सजा दी गई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गहलोत के तीनों "लाडलों" का निलम्बन अभी भी जारी है

पर मु.मंत्री गहलोत का खेमा अफवाह फैला रहा है कि, शांति धारीवाल, महेश जोशी व धर्मेन्द्र राठौड़ का निलम्बन रद्द हो गया है

- इस मामले को करीब से देखने वाले एक वरिष्ठ नेता ने तीनों नेताओं का निलंबन रद्द होने की अफवाहों का खंडन किया।
- गहलोत यह अफवाह इसलिए फैला रहे हैं, क्योंकि, वे यह जताना चाहते हैं कि, वे सर्व शक्तिमान हैं और ऐसा कर सकते हैं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। राजस्थान कांग्रेस के तीन निलंबित नेताओं की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सूत्रों ने कहा कि स्थिति वैसी ही है जैसी पहले थी। कोई बदलाव नहीं हुआ है।

गहलोत खेमा यह अफवाह फैला रहा है कि, शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेन्द्र राठौड़ का निलंबन रद्द हो गया है।

हालांकि मामले को करीब से जानने वाले एक वरिष्ठ नेताओं इन अफवाहों का खंडन किया और कहा कि, निलंबन रद्द नहीं हुआ है। सूत्रों का कहना है कि चुनाव करीब आने के बाद गहलोत यह संकेत देने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं कि, उन्होंने अपने समर्थकों का निलंबन रद्द करवा दिया है। राजस्थान में कांग्रेस की आंतरिक जंग में रोचक बात यह है कि गहलोत यह दिखाने की कोशिश कर रहे है वे बेहद शक्तिशाली हैं और ऐसा कर सकते हैं। अटकले इतनी जबर्दस्त हैं कि गहलोत खेमे के लोगों ने कहा कि खड़गे के कार्यालय से निर्देश आए हैं। पर संबंधित व्यक्ति से पता चला कि यह कोरी अफवाह है।

राउज़ एवेन्यु कोर्ट से गहलोत को झटका

जयपुर, 19 सितंबर। दिल्ली की राउज़ एवेन्यू की निचली अदालत ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह के मानहानि परिवाद में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से पेश प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है। सीआरपीसी की धारा 256 के तहत पेश इस प्रार्थना पत्र में सीएम अशोक गहलोत ने परिवादी गजेंद्र सिंह के अदालत में पेश नहीं होने के आधार पर उन्हें दोषमुक्त करने की गुहार की है। इस प्रार्थना पत्र पर गत 14 सितंबर को दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई थी।

- दिल्ली की अदालत ने मानहानि मुकदमे में दोष मुक्त करने का गहलोत का प्रार्थना पत्र खारिज किया, मुकदमा अभी चलेगा।

सीएम गहलोत की ओर से पेश इस प्रार्थना पत्र में कहा गया था कि, सीआरपीसी की धारा 256 के तहत प्रावधान है कि, यदि मामले का परिवादी अदालत में हाजिर नहीं होता है तो कोर्ट को इस आधार पर परिवाद में आरोपी बनाए गए व्यक्ति को दोषमुक्त कर देना चाहिए। प्रकरण में परिवादी गजेन्द्र सिंह सुनवाई के दौरान अदालत में हाजिर नहीं हो रहे हैं। ऐसे में प्रार्थी को प्रकरण से दोषमुक्त किया जाए।

वहीं शेखावत की ओर से कहा गया कि, यदि लंबे समय तक परिवादी अदालत में पेश नहीं हो तो इस धारा के तहत कार्रवाई हो सकती है। इसके अलावा बीती दो पेशियों से परिवादी अदालत में हाजिर हो रहे हैं। इसलिए इस प्रार्थना पत्र का अब कोई औचित्य नहीं है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नए संसद भवन में सबसे पहले "नारी शक्ति वंदन" विधेयक पेश हुआ

महिलाओं को संसद व विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले इस विधेयक पर कांग्रेस ने कहा यह "हमारा बिल है"

- कांग्रेस के प्रवक्ता ने नई संसद में महिला आरक्षण विधेयक पेश किए जाने के सरकार के निर्णय का स्वागत किया।
- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने कहा कि, यह विधेयक कांग्रेस व यू.पी.ए. सरकार के सहयोगी दलों की जीत है। ज्ञातव्य है कि, यू.पी.ए. सरकार के कार्यकाल में 9 मार्च 2010 को राज्यसभा में यह बिल पारित हुआ था।
- कांग्रेस यह दावा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है कि, यह बिल "हमारा" है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। राज्यसभा में 27 साल पहले पेश एवं पारित हो चुके महिला आरक्षण विधेयक को आज नये संसद भवन के प्रथम एजेंडा के रुप में लोकसभा में पेश किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "ईश्वर ने मुझे पवित्र कार्यों के लिये चुना है।"

पुराने संसद भवन के सेन्ट्रल हॉल में आयोजित एक घंटे के समारोह में पुराने संसद भवन को अलविदा कहकर प्रधानमंत्री मोदी सांसदों को नये भवन में ले गये, जहाँ उन्होंने कहा: "ईश्वर ने मुझे पवित्र कार्यों के लिये चुना है। आज हम इतिहास लिखेंगे।--- आइये! नारी -शक्ति के लिये दरवाजे खोलें।" प्रधानमंत्री ने लोकसभा, राज्यसभा तथा राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण के लिये "नारी शक्ति वन्दन विधेयक" पेश किये जाने के सरकार के निर्णय की घोषणा कर की।

प्रधानमंत्री, जो किसी अन्य व्यक्ति को श्रेय देने के मामले से सदैव कतराते हैं, ने शेखी बघारते हुये, इस कदम को देश के लोकतांत्रिक इतिहास का मील का पत्थर बताया, जबकि तथ्य यह है कि, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय से ही कांग्रेस विधायी निकायों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में काम करती आ रही है।

विधि मंत्री अर्जुनराम मेघवाल द्वारा विधेयक पेश किये जाने के बाद, इसकी हार्ड-कॉपी उपलब्ध न कराये जाने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'महिला आरक्षण विधेयक को बिना शर्त समर्थन देंगे'

नई दिल्ली, 18 सितंबर (वार्ता)। कांग्रेस ने कहा है कि पार्टी लंबे समय से महिलाओं को संसद में आरक्षण देने की मांग कर रही है और सरकार इस विधेयक को लेकर आती है, तो पार्टी इसका स्वागत कर बिना शर्त समर्थन करेगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा, "हमारे प्रधानमंत्री कहते हैं कि वह महिला सशक्तीकरण के पुरजोर समर्थक हैं। उनके लिए दलगत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा, "हमारे प्रधानमंत्री कहते हैं कि, वे महिला सशक्तिकरण के पुरजोर समर्थक हैं। महिलाओं के लिए दलगत राजनीति से ऊपर उठने, अपनी बात कहने और महिला आरक्षण विधेयक को संसद से पारित कराने का समय आ गया है। कांग्रेस उन्हें बिना शर्त समर्थन की पेशकश करती है।"

क्या आपको कम सुनाई देता है।
ऑटोमेटिक कान की मशीनें स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑडिजम डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

कैनडा के प्र.मंत्री हरदीप सिंह निज्झर की हत्या के तीन माह बाद भारत पर आरोप क्यों लगा रहे हैं?

क्या जी-20 सम्मेलन के दौरान प्र.मंत्री मोदी द्वारा खालिस्तान के मुद्दे पर ट्रूडो को खरी-खोटी सुनाना इसकी वजह है

- ज्ञातव्य है कि, कैनडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो खालिस्तान समर्थकों की पार्टी के सहयोग से सरकार चला रहे हैं और खालिस्तान आतंकवादियों के प्रति आरंभ से ही उनका नर्म रूख रहा है।
- भारत ने कैनडा सरकार द्वारा खालिस्तानी आतंकवादियों को समर्थन देने पर कई मंचों पर अपनी नाराजगी जताई है।
- लेकिन ट्रूडो ने कैनेडा की संसद में सार्वजनिक रूप से भारत पर आतंकवादी निज्झर की हत्या का आरोप लगाकर दोनों देशों के संबंधों में कटुता और बढ़ा दी है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। कैनडा के साथ भारत के पहले से खराब चल रहे संबंधों में और गिरावट आई, जब विदेश मंत्रालय ने आज कैनडा के उच्चायुक्त को तलब किया और कैनडा द्वारा एक वरिष्ठ राजनयिक को देश छोड़ने के लिए कहने के बाद जवाबी कार्रवाई में कैनडा के एक वरिष्ठ राजनयिक को देश छोड़ने के लिए कहा।

इससे पहले कैनडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि, इस वर्ष जून में सरी में मारे गए खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्झर की हत्या में भारत सरकार का हाथ हो सकता है।

कैनडा के राजनयिक की पहचान ओलीवियर सिल्वेस्टर के रूप में हुई है, जो कैनडा इंटैलिजेंस के स्टेशन प्रमुख बताए जाते हैं। उन्हें पांच दिन में भारत छोड़ने को कहा गया है।

ट्रूडो ने ये आरोप संसद को संबोधित करते हुए लगाए, जिसके बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने इसका जोरदार खंडन किया और खुलासा किया कि कैनडा के प्रधानमंत्री ने ऐसे ही आरोप 10 सितंबर को जी-20 सम्मेलन के दौरान मोदी के साथ अलग से हुई संक्षिप्त मुलाकात में भी लगाए थे। इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया गया था।

विदेश मंत्रालय ने एक भारतीय राजनयिक को निष्कासित करते समय ट्रूडो और उनकी विदेश मंत्री मैलनी जोली द्वारा की गई टिप्पणी को "बेतुका और प्रेरित" बताया है।

सूत्रों ने कहा कि, दरअसल कैनडा में भारतीय राजनयिकों को मौत की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लेकसिटी में अनवरत बारिश का दौर जारी, उदयसागर के दोनों गेट खोले

अशोक नगर मुख्य मार्ग पर नाला धंसा, दो कारें गिरी

उदयपुर, (कासं)। झीलों के शहर में मंगलवार को तीसरे दिन भी दिनभर बारिश होती रही। रूक-रूक जारी बारिश के दौर से शहर के समीप स्थित उदयसागर झील एक बार फिर छलक गई। मंगलवार सुबह उदयसागर के दोनों गेट एक फीट 6 इंच खोल दिए गए। वहीं वल्लभनगर बांध (सरजना) भी छलक गया। इधर, सीसारमा नदी तीन फीट के वेग से बह रही है जिससे स्वरूपसागर पर दूसरे दिन भी एक इंच की चादर चल रही है। इधर, बारिश के बीच शहर के अशोक नगर क्षेत्र में पुराना नाला धंसने से दो कारे उसमें गिर गई।

अशोक नगर क्षेत्र में पुराना नाला धंसने से दो कारें उसमें गिर गई।

- उदयपुर शहर में एक इंच बारिश, सरजना बांध भी ओवरफ्लो हुआ
- सीसारमा नदी तीन फीट के वेग से बह रही है जिससे स्वरूपसागर पर दूसरे दिन भी एक इंच की चादर चलती रही

लेकसिटी में मानसून के छठे चक्र में अनवरत बारिश का दौर जारी है। रविवार से हो रही बारिश का दौर तीसरे दिन भी जारी रहा। समाचार लिखे जाने तक भी उदयपुर में बारिश का क्रम बरकरार है। मंगलवार सुबह 8 बजे सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण से मिली जानकारी के अनुसार उदयपुर जिले में सर्वत्र अच्छी बारिश के समाचार मिले है। बीते 24 घंटों में उदयपुर शहर में 1 इंच (25 मिमी), मदार 24 मिमी, नाई 25, उदयसागर 20, वल्लभनगर 15, बागोलिया 30 व देवास स्टेज प्रथम पर 32 मिमी बारिश दर्ज की गई।

इधर, बारिश के चलते शहर के अशोक नगर से शक्तिनगर जाने वाले मुख्य मार्ग पर जैन मंदिर के समीप वर्षों पुराने नाले धंस गया। नाला धंसने से वहां खड़ी दो कारें उसमें गिर गई जिसे जेसीबी की मदद से बाहर निकाला गया। जर्जर इस नाले की मरम्मत कई वर्षों से नहीं होने से आज इसके धंसने से प्रशासन की पोल भी खुल गए। पर्युषण पर्व होने से पास स्थित जैन मंदिर में लोगों का आना-जाना बना हुआ है। गनीमत रही कि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। नगर निगम के अधिकारियों ने जल्द ही इसकी मरम्मत का आश्वासन भी दिया है।

भाजपा नेता और छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम माथुर जोधपुर पहुंचे

फलोदी व शेरगढ़ में परिवर्तन यात्राओं में होंगे शामिल

एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने ओम माथुर का स्वागत किया।

जोधपुर, (कासं)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम माथुर मंगलवार को जोधपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम माथुर ने कहा कि भाजपा की ओर से जो परिवर्तन संकल्प यात्राएं प्रदेश में निकाली जा रही हैं, उसको जनता का बेहतर सहयोग मिल रहा है। इन यात्राओं को मिल रहे समर्थन से ही लग रहा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बहुमत के साथ बनने जा रही है।

माथुर जोधपुर के फलोदी और शेरगढ़ में परिवर्तन यात्राओं में शामिल होने के लिए मंगलवार को जोधपुर पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी अपनी यात्राएं निकाल रहे हैं। लोकतंत्र में सभी अपने स्तर पर जनता को अपनी बात कहने में लगे हैं, वह अपनी पार्टी के लिए काम कर रहे हैं, मैं अपनी पार्टी के लिए। कांग्रेस चाहे कितना भी कहे कि एंटी इनकमबेंसी नहीं है, चुनाव में इसका जवाब जनता देगी।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर कहा कि यह कई सालों से देश की मांग थी जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरा किया है। जल्द ही इसे लोकसभा में रखा जाएगा। दिल्ली और आसपास की कई महिलाएं इस बात के लिए पीएम मोदी का धन्यवाद करने के लिए पहुंच रही हैं। यह देश में आमूलचूल परिवर्तन हैउन्होंने कहा कि पहले राजनीति जातिवाद-क्षेत्रवाद के आधार पर होती थी, लेकिन पीएम मोदी ने विकास के मुद्दों पर राजनीति की।

2014 के बाद पूरे देश का समान रूप से विकास किया है। उन्होंने कहा कि जब छत्तीसगढ़ के प्रभारी के रूप में गया तो देखा कि बहुत पिछड़ा हुआ प्रदेश है। लेकिन अब आजादी का अमृत महोत्सव जो मना रहे हैं। इसमें भारत विश्व गुरु बनने की तरफ बढ़ रहा है। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत भाजपा के जिला अध्यक्ष देवेंद्र सालेचा, पाली के पूर्व सांसद पुष्प जैन, नरेंद्र कच्छवाह, प्रसन्न मेहता, विजय राजोरिया सहित अन्य ने किया। यहां जोधपुर में भाजपा कार्यकर्ता के यहां अल्पाहार लेने के बाद में परिवर्तन यात्रा में हिस्सा लेने के लिए फलोदी रवाना हो गए।

आतंकी टुंडा की तबीयत बिगड़ी

सुरक्षा बंदोबस्त के बीच पुलिस जेएलएन अस्पताल लाई

आतंकी टुंडा को इलाज के लिए अस्पताल लेकर जाती पुलिस।

अजमेर, (कासं)। अजमेर की सेंट्रल जेल में बंद 1993 के सीरियल बम ब्लास्ट के मास्टरमाइंड आतंकी अब्दुलकरीम टुंडा की अचानक तबीयत बिगड़ गई, मंगलवार सुबह कड़ी सुरक्षा बंदोबस्त के बीच पुलिस सेंट्रल जेल से जेएलएन अस्पताल के यूरोलॉजी विभाग में लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार दे छुट्टी दे दी, जिसके बाद पुलिस वापस जेल ले गई। अस्पताल में इलाज करवाने के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर कोतवाली और सिविल लाइन थाना पुलिस का जाब्ता भी तैनात रहा।

जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल ने कहा कि लंबे समय से टुंडा बीमार चल रहा है। एक महीने से वह जेल के अस्पताल में एडमिट भी है। टुंडा को हर्निया और किडनी फंक्शन में दिक्कत आ रही है। मंगलवार को टुंडा को तबीयत खराब होने पर इलाज के लिए कड़ी सुरक्षा में जेएलएन हॉस्पिटल भेजा गया था। लश्कर जैसे कुख्यात आतंकी गिरोह से जुड़े अब्दुल करीम का नाम टुंडा एक हादसे के बाद पड़ा। वर्ष 1985 में टुंडा टोंक जिले की एक मस्जिद में जेहाद की मीटिंग ले रहा था। इस दौरान वह पाइप की बंदूक चलाकर दिखा रहा था। तभी यह बंदूक फट गई, जिसमें उसका हाथ उड़ गया। इसके कारण उसका नाम टुंडा पड़ गया।

कॉपी राइट एक्ट में केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के जलजोग चौराहा स्थित एक जूता शोरूम पर पुलिस ने रेड देकर नामी कंपनी के नाम से फर्जी लेबल लगाकर जूते बेचने की शिकायत पर कार्यवाही की। पुलिस ने दुकानदार के खिलाफ धोखाधड़ी एवं कॉपी राइट एक्ट का प्रकरण दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

प्रशिक्षु आरपीएस शिवम जोशी ने बताया कि एक कंपनी प्रतिनिधि की तरफ से शास्त्रीनगर थाने में शिकायत दी गई थी। इसमें बताया कि वह एडिडास कंपनी से आया है और इस कंपनी के नाम से फर्जी जूते जलजोग स्थित एक शोरूम शूई शॉप पर बेचे जा रहे है। इस पर आरपीएस शिवम जोशी जोशी ने पुलिस जाब्ते के साथ दुकान पर रेड दी। दुकान पर संचालक विठल अरोड़ा मिला। जिससे पूछताछ के साथ माल चेक किया गया तो वह नकली प्रतीत हुआ।

केसरीसिंहपुर डेंगू का हॉटस्पॉट बना, 14 नए रोगी मिले

श्रीगंगानगर, (निसं)। बरसात के इस सीजन में केसरीसिंहपुर कस्बा डेंगू का हॉट स्पॉट बना हुआ है। स्वास्थ्य विभाग ने जिला अस्पताल में 51 सैंपलों का एलाइजा टेस्ट किया। इसमें 15 सैंपलों की रिपोर्ट डेंगू पॉजिटिव मिली। इसमें 14 रोगी केसरीसिंहपुर और 1 श्रीगंगानगर शहर की केदार कॉलोनी का है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार केसरीसिंहपुर डेंगू का हॉट स्पॉट बना हुआ है। इस सीजन में 10 अगस्त से अब तक 108 डेंगू रोगी मिले हैं। श्रीगंगानगर शहर में अब तक 34 लोग डेंगू पॉजिटिव हो चुके हैं। जिले में अब तक बुखार के 900 रोगियों की एलाइजा टेस्टिंग हो चुकी है। इसमें 181 की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली है। अस्पतालों में बुखार की ओपीडी बढ़ी है।

- इस सीजन में 10 अगस्त से अब तक 108 डेंगू रोगी मिले

स्वास्थ्य विभाग ने पिछले 15 दिनों में जिले में 146976 घरों और 456976 पानी के स्रोतों की जांच की तो इसमें 3375 जगह मच्छर का लार्वा मिला। पिछले दो सप्ताह में स्वास्थ्य विभाग को घर-घर सर्वे व एंटी लार्वल गतिविधियों के दौरान बुखार के 1882 रोगी मिले हैं। एक दिन में औसतन 125 से ज्यादा बुखार के रोगी मिल रहे हैं। जिला अस्पताल के पीएमओ डॉ. केएस कामरा के अनुसार इन दिनों ओपीडी में बुखार के रोगी ज्यादा आ रहे हैं। ज्यादातर रोगियों में प्लेटलेट्स कम होना, सिर दर्द, बदन दर्द और लीवर में सूजन की तकलीफ होती है।

पुलिस कांस्टेबल रिश्वत लेते गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। बज्जू थाने के कांस्टेबल को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एक परिवाद को निपटाने के नाम पर कांस्टेबल बनवारी लाल ने रिश्वत की डिमांड की थी, जिसकी शिकायत परिवादी ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को कर दी। मंगलवार को एसीबी ने उसे रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

बीकानेर के एडिशनल एसपी महावीर शर्मा ने बताया कि पुलिस स्टेशन बज्जू में चल रहे एक प्रकरण में कांस्टेबल बनवारी लाल ने पंद्रह हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। इसकी शिकायत मिलने पर पुष्टि की गई और मंगलवार को ट्रेप प्लान किया गया। परिवादी रिश्वत की राशि देने पहुंचा तो एसीबी की टीम आसपास ही थी। जैसे ही पंद्रह हजार रुपए हाथ में लिए, वैसे ही एसीबी ने बनवारी लाल को दबोच लिया। उसके कब्जे से रिश्वत के पंद्रह हजार रुपए भी बरामद कर लिए गए। बनवारी लाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। अब एसीबी बनवारी के घर की छानबीन करेगी। इसके साथ ही उसके बैंक खातों की छानबीन भी हो सकती है। एसीबी ने परिवादी का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। पिछले लंबे समय से एसीबी परिवादी का नाम सार्वजनिक नहीं कर रहा है।

भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा का समापन कल जोधपुर में

गांधी मैदान में होगी विशाल जनसभा, तैयारियां जोरों पर

जोधपुर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन संकल्प यात्रा अब परवान पर है। प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के संकल्प को सिद्ध करने के उद्देश्य से निकाली जा रही यह परिर्वतन यात्रा भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं में उत्साह एवं जोश का संचार कर रही है। रामदेवरा से आरंभ हुई तीसरी परिवर्तन संकल्प यात्रा का 21 सितम्बर को जोधपुर में भव्य समापन रहेगा।

इस आमसभा को भाजपा के तेज तर्रार नेता प्रखर वक्ता एवं असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा मुख्य अतिथि होंगे। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत मुख्य वक्ता होंगे।

- तेज तर्रार नेता असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिश्वा सरमा एवं केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत शामिल होंगे

यात्रा के संभाग प्रभारी राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पूर्व राज्यसभा सांसद नारायण पंचारिया, प्रदेश महामंत्री जगवीर छाबा सहित अनेक भाजपा नेता इस दौरान मौजूद रहेंगे।

जोधपुर के सरदारपुरा स्थित गांधी मैदान में यात्रा का भव्य समापन होगा। इसको भव्यतम रूप देने के लिए भारतीय जनता पार्टी जोधपुर षहर द्वारा तैयारियां की जा रही है। भाजपा संभाग मीडिया प्रमुख अचलसिंह मेडतिया ने बताया कि जोधपुर संभाग में पवित्र स्थल रामदेवरा से 4 सितम्बर को तीसरी परिवर्तन संकल्प यात्रा आरंभ हुई थी, यह परिवर्तन संकल्प यात्रा अब जोधपुर जिले की विधानसभा क्षेत्रों में चल रही है। यह यात्रा हर विधानसभा क्षेत्र से गुजर रही है।

इसके मद्देनजर जोधपुर में भी कार्यकर्ताओं में इस यात्रा को लेकर भारी जोश व उत्साह है। भाजपा की परिवर्तन यात्रा जोधपुर शहर में 21 सितम्बर को बनाड रोड से प्रवेश करेगी।

इसके बाद सारण नगर कालवी प्याउ के समीप जोधपुर षहर के भाजपा कार्यकर्ता इस यात्रा रथ की अगवानी कर भव्य स्वागत करेंगे। इसके बाद यह परिवर्तन यात्रा रसाला रोड, हाइकोर्ट रोड, सोजती गेट नई सडक, जालोरी गेट एवं शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सरदारपुरा स्थित गांधी मैदान पहुंचेगी। यहां गांधी मैदान में भाजपा के जोधपुर शहर जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सालेचा के नेतृत्व में परिवर्तन यात्रा का स्वागत किया जाएगा। शाम 5.30 बजे यात्रा का भव्य समापन होगा।

नरेश मीणा की रिहाई की मांग

हिण्डौन सिटी, (निसं)। दिनेश मीणा झारेड़ा की हत्या के विरोध में बांरा में आंदोलन कर रहे नरेश मीणा को गिरफ्तार करने व उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के विरोध में मंगलवार को कई छात्र नेता शहर की गौशाला के समीप स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गए। अंकुर मीणा छात्रसंघ अध्यक्ष ने बताया कि दिनेश मीणा झारेड़ा की हुई हत्या के विरोध में बारां में छात्र नेता नरेश मीणा की ओर से आंदोलन चलाया जा रहा है। आरोप है कि किसानों के खिलाफ विद्युत कर्मियों की मनमर्जी और राजस्थान सरकार के मंत्री प्रमोद जैन के खिलाफ चलाए जा रहे इस आंदोलन को लेकर पुलिस ने सरकार के दबाव में आकर नरेश मीणा को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ कई मुकदमे भी दर्ज कर लिए हैं। छात्र नेता अंकुर ने बताया कि नरेश मीणा और उसके साथियों पर वेवजह किये गए केस वापस हो और नरेश मीणा को जल्द से जल्द रिहा किया जाए।

सरकारी स्कूल के टॉयलेट में लगाया सीसी-टीवी कैमरा

राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल फोर्ट का मामला

हनुमानगढ़, (निसं)। सरकारी स्कूल के बॉइज टॉयलेट में सीसीटीवी कैमरा लगा होने का मामला सामने आया है। इसकी शिकायत पर बाल कल्याण समिति सदस्य स्कूल पहुंचे। मामला टाउन के राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल फोर्ट का है।

बाल कल्याण समिति सदस्य विजय चौहान ने बताया कि किसी बच्चे के परिजन का फोन आया था कि टाउन स्थित फोर्ट स्कूल के टॉयलेट में कैमरा लगा हुआ है। सूचना पर टीम ने स्कूल पहुंचकर देखा तो टॉयलेट के अंदर सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ था। जिसकी मॉनिटरिंग प्रिंसिपल कार्यालय में होती थी। बाल कल्याण समिति ने वहां बच्चों से भी बात की तो बच्चों ने भी बताया कि ये सीसीटीवी कैमरा काफी दिनों से यहां लगा हुआ है। जिसकी वजह से उन्हें शर्मसार होना पड़ता है। बच्चों ने बाल कल्याण समिति को बताया कि वो डर की वजह से प्रिंसिपल को कुछ भी नहीं कह पाए।

- शिकायत पर बाल कल्याण समिति सदस्य स्कूल पहुंचे

समिति सदस्य ने कहा कि टॉयलेट में कैमरा कोई नहीं लगा सकता है। बच्चों ने कैमरे हटाने की बात कही है। समिति सदस्य ने कहा कि स्कूल की प्रिंसिपल स्कूल में नहीं मिली। वाइस प्रिंसिपल से बात की है कि इसका एंगल में बदलाव करें या इस कैमरे को हटाया जाए। समिति सदस्य ने कहा कि बच्चों के परिजनों ने उनसे शिकायत की थी कि बच्चे शर्म के कारण स्कूल में टॉयलेट भी नहीं कर पा रहे हैं, वो घर आकर ही टॉयलेट करते हैं।

वाइस प्रिंसिपल अंजना गुप्ता ने बताया कि हम मानते है शौचालय में कैमरे लगाना गलत है, लेकिन कुछ बच्चे टाइलों को नुकसान पहुंचाते हैं। दीवारों पर लिखते हैं और कुछ बच्चे नशा करते हैं। इनसे बचाव के लिए कोई अन्य उपाय नहीं था। वहीं वाइस प्रिंसिपल ने कहा कि अगर ऐसा लग रहा है कि इसमें निजता का हनन हो रहा है तो इसका एंगल बदलवा दिया जाएगा।

नागालैंड से गांजा लाते दो तस्कर गिरफ्तार

साढ़े 31 किलो गांजा बरामद, सरगना भी गिरफ्तार

जयपुर/झुंझुनू, (निसं)। पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच की स्पेशल टीम की सूचना पर झुंझुनू जिले की पचेरी कलां थाना पुलिस की टीम ने नाकाबंदी में एक प्राइवेट स्लीपर कोच बस में सवार दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर इनके पास से 31 किलो 500 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। दोनों तस्कर नागालैंड के दीमापुर से गांजा झुंझुनू ला रहे थे। इनकी सूचना पर इनके सरगना को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि क्राइम ब्रांच के हैड कांस्टेबल शंकर दयाल शर्मा व कमल सिंह व झुंझुनूं के शशिकांत को आसूचना प्राप्त हुई की नागालैंड से गांजा तस्करी कर कुछ युवक प्रदेश में सप्लाई करते हैं। एडीजी एमएन ने बताया कि सूचना पुख्ता होने पर एसएचओ पचेरी कला को सूचित कर सिंघाना-नारनौल रोड पर नाकाबंदी कराई गई। सोमवार -मंगलवार देर रात करीब एक बजे हरियाणा की तरफ से आ रही पंजाब नंबर की संदिग्ध प्राइवेट स्लीपर बस को रुकवाया गया।

- सीआईडी ने झुंझुनूं में नशे की एक और बड़ी खेप पकड़ाई
- पचेरी कलां थाना पुलिस की कार्रवाई

बस में बैठे दो युवक पुलिस को देकर घबरा गए। दोनों युवकों ने अपने पैरों के बीच एक-एक पिट्ठू बैग दबा रखा था। एडीजी ने बताया कि बस से उतार कर नाम पता पूछा तो एक ने अपना नाम अनिल सिंह निवासी वार्ड नंबर 20 थाना सूरजगढ़ और दूसरे ने दीपक मेघवाल निवासी लोटिया थाना सूरजगढ़ जिला झुंझुनू बताया। दोनों के बैग की तलाशी में 25 प्लास्टिक के पैकेट से कुल 31 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद किया गया।

एडीजी एमएन ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त कर थाना पुलिस ने दोनों को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया। इन्होंने पूछताछ में नागालैंड के दीमापुर से गांजा नंदकिशोर नाम के व्यक्ति से लोटिया निवासी कपिल मेघवाल के लिये लाना बताया। इस सूचना पर पुलिस ने मुख्य तस्कर कपिल मेघवाल को भी मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में यह भी सामने आया कि पुलिस को गुमराह करने के लिए तस्कर वापस आने के लिये ट्रेन का रिजर्वेशन करवाते हैं, जबकि आते बस या अन्य साधनों से हैं। हर बार अपना आने-जाने का रास्ता बदलते रहते हैं।

तैनात कांस्टेबल को ट्रक ने कुचला

उदयपुर, (कासं)। जिले के टीडी थाना क्षेत्र में रोड सेफ्टी के लिए ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल को ट्रक ने कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार टीडी पुलिस थाने में तैनात सिंघटवाड़ा जावरमाइंस निवासी कांस्टेबल राजकुमार (29) पुत्र दाड़म को मंगलवार सवेरे ड्यूटी के दौरान ट्रक ने कूचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई हिम्मतसिंह ने मौके पर पहुंच कर उच्चाधिकारियों को सूचना दी। इस पर टीडी थानाधिकारी फैलीराम, पुलिस उप अधीक्षक रजत विश्नोई मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। राजकुमार एक वर्ष से टीडी थाने पर तैनात था जो मंगलवार सवेरे जिला कलक्टर के निर्देश पर रोड सेफ्टी के लिए ड्यूटी पर तैनात था। इस दौरान अहमदाबाद की तरफ से आ रहे ट्रक को रूकने इशारा करने पर चालक ने तेज गति से ले जाते हुए ट्रक राजकुमार पर चढ़ा दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक जब्त कर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

आधा दर्जन से अधिक लुटेरों ने मंदिर में सो रहे तीन जनों से की मारपीट

एक यात्री सहित तीन घायल, एक कोटा रैफर किया

बूंदी, (निसं)। जिले के हिंडोली थाना क्षेत्र में सथूर गांव में स्थित ऐतिहासिक रक्तदंतिका माता मंदिर में आधा दर्जन से अधिक अज्ञात लुटेरों ने मंदिर में सो रहे तीन जनों को बंधक बनाकर मारपीट करने के बाद मंदिर में से सोने चांदी के छत्र व मंगलसूत्र आदि लूट कर ले गए। इस वारदात में एक यात्री और दो सेवादार घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल लाया गया। पुलिस ने तत्काल जिले भर में नाकाबंदी करवाकर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी है।

सथूर माता मंदिर पुजारी अजय ब्रह्म भाट ने बताया कि रात्रि को मंदिर के अंदर 12 बजे के बाद सेवादार राम अवतार उर्फ पप्पू, नवरत्न और यात्री राजू प्रजापत निवासी सथूर चद्दर ओढ़ कर सो रहे थे। इसी बीच छह से सात लुटेरे मंदिर में घुसे और तीनों व्यक्तियों को सोते हुए ही चद्दर में दबा दिया। जैसे ही इन्होंने बचाव का प्रयास किया, तो लुटेरों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी।

- रक्तदंतिका मंदिर से सोने चांदी के छत्र व मंगलसूत्र लूट ले गए बदमाश

जिससे यात्री राजू प्रजापत के सिर व अन्य स्थान पर गंभीर चोट आई। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की सहायता से घायलों को बूंदी भेजा गया, जहां से एक को कोटा रैफर कर दिया गया। दो को बूंदी भर्ती किया गया है। पुजारी अजय ब्रह्म भाट के अनुसार लुटेरे यहां से सात तोला सोना, 12 किलो चांदी सहित चांदी का छात्र, सोने का टीका, नथ, मंगलसूत्र, मुकुट व नगदी लूट कर ले गए हैं। जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 13 लाख हैं।

हिंडोली थानाधिकारी मनोज सिकरवार ने बताया कि रात्री एक से डेढ़ बजे के बीच 6-7 अज्ञात लुटेरों ने मंदिर में घुसकर वहां सो रहे तीन लोगों को बंधक बनाकर मारपीट कर मंदिर के 5 से 6 चांदी और सोने के छत्र व मंगलसूत्र आदि लूट कर ले गए। घटना की सूचना लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी लेकर तत्काल जिले भर में नाकाबंदी भी करवाई गई। रात भर से पुलिस लुटेरों की तलाश में हुई जुटी है। मौके पर एफएसएल टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए हैं। फिलहाल, लुटेरे पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। दोपहर में पुलिस अधीक्षक जय यादव ने घटना स्थल पर जाकर जायजा लिया।

पुलिस अधीक्षक जय यादव ने वारदात के खुलासे के लिए तुरंत दबलाना, बसौली, हिंडोली पुलिस की टीम का गठन किया। हालांकि पुलिस को कुछ सुराग मिले हैं, जिससे वारदात जल्दी ही खुलने की संभावना जताई है। जानकारी के अनुसार आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर संदिग्ध लोगों के बारे में जानकारी की जा रही हैं।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी / अन्तरिति द्वारा निष्पादित वसीयतनामें के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की जवाहर नगर कच्ची बस्ती योजना के आवासीय/व्यावसायिक क्षेत्रफल 458.33 वर्गगज के आवंटी स्व. श्री मोहर सिंह शर्मा पुत्र रघुवर दयाल शर्मा निवासी जवाहर नगर अजमेर की मृत्यु दिनांक 27/03/2006 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा वसीयतनामा (अपंजीकृत) संलग्न कर मृतक द्वारा निष्पादित वसीयतनामे के आधार पर नामान्तरण हेतु श्री (1) भगवत दयाल कौशिक (2) भीम सिंह शर्मा पुत्रगण स्व. श्री मोहर सिंह शर्मा निवासी जवाहर नगर अजमेर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करायें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदक के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी / अन्तरिति द्वारा निष्पादित वसीयतनामें के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की बाडिया आदर्श नगर योजना के आवासीय/व्यावसायिक क्षेत्रफल 208 वर्गगज के आवंटी श्रीमती यशोदा देवी शर्मा पत्नी सुरेन्द्र कुमार शर्मा निवासी 76/39 गली नं. 2 पंचवटी कॉलोनी आदर्श नगर अजमेर की मृत्यु दिनांक 24/05/2014 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा वसीयतनामा अपंजीकृत दिनांक 19.10.2001 (नोटेरी करा) संलग्न कर मृतक द्वारा निपादित वसीयतनामे के आधार पर नामान्तरण हेतु श्रीमती प्रभा शर्मा पत्नी श्री त्रिवेदी प्रसाद शर्मा निवासी 76/39 गली नं. 2 पंचवटी कॉलोनी आदर्श नगर अजमेर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करायें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदक के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

क्रमांक: अविप्रा/प.3/भू.उ.परि./2023/4138 दिनांक: 19-09-2023

सार्वजनिक सूचना

नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, राजस्थान सरकार के अधिसूचना क्रमांक पं. 11(8) नविवि/2020 दिनांक 24.2.2021 एवं अजमेर विकास प्राधिकरण अधिनियम 2013 के अन्तर्गत निम्नांकित भूमि का आवासीय से सामान्य व्यवसायिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन हेतु प्रस्तावित किया गया है:-

क्र. सं.	नाम आवेदक	योजना का नाम	भूखण्ड सं.	कुल क्षेत्रफल	जौनल डवलपमेंट प्लॉन 2033 (जौन-4) के अनुसार भू-उपयोग	स्वीकृत भू-उपयोग	चाहा गया भू-उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	श्री मांगीलाल पुत्र श्री हमीरा	राजस्व ग्राम घूघरा	खसरा सं. 443 भूखण्ड सं. 7	399.63 व.मी.	आवासीय योजना के तहत आवासीय नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के आदेश दिनांक 04.08.2023 के अनुसार मिश्रित	आवासीय	सामान्य व्यावसायिक

उपरोक्त भू-उपयोग परिवर्तन किए जाने पर किसी संस्था/व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 15 दिवस में अपनी आपति कारण/विवरण सहित अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर में दर्ज करावें अन्यथा अवधि के उपरान्त किसी भी आपति या सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा। सदस्य सचिव, (भू-उपयोग परिवर्तन समिति) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

2 राज नेवल यूनिट एन सी सी, अजमेर

क्रमांक: लेखा /02/ एनसीसी दिनांक: 19-09-2023

कार्यालय की निविदा सूचना छपवाने बाबत

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि इस कार्यालय द्वारा निम्न निविदा सूचना आपके समाचार पत्र में छपवायी जानी है कार्यालय द्वारा एआईएनएससी कैम्प हेतु एनसीसी कैडेट्स के लिये किटिंग आइटम्स कय किये जाने हेतु निविदायें आमन्त्रित की गयी है। इसकी विस्तृत सूचना www.sppp.rajasthan.gov.in portal पर एवं कार्यालय समय में कार्यालय में आकर देखी जा सकती है। इसके यूबीएन नम्बर NCC2324GSOB00023 हैं। निविदा की अन्तिम दिनांक 27 सित. 2023 मध्यान्ह 01 बजे रखी गयी है।

(मनीष सिंह) कमान्डर कमान अधिकारी

प्रारूप 10 नियम 6 (7) देखिए

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय-नगर परिषद केकड़ी जिला केकड़ी

क्रमांक/नपके/कृ.भू.रू/2023-24/3917 दिनांक: 19/09/2023

लोक सूचना

मामला सं.

श्री कैलाश चन्द पुत्र श्री मूलचन्द जाति खटिक निवासी टांकावास, केकडी (राज.) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषि (अकृषि) प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है -

तहसील और जिले का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्रफल
अजमेर (केकड़ी)	राजस्व ग्राम अजगरी	खसरा नं. 648/621, 650/621 649/621, 621	रकबा 0.79 हैक्टयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज .. ....को जारी की गयी। प्राधिकृत अधिकारी का नाम और मुहर

प्रारूप 10 नियम 6 (7) देखिए

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय-नगर परिषद केकड़ी जिला केकड़ी

क्रमांक/नपके/कृ.भू.रू/2023-24/3918 दिनांक: 19/09/2023

लोक सूचना

मामला सं.

श्री राजकुमार पुत्र श्री श्याम लाल जाति हरिजन श्री दयाराम पुत्र श्री लालाराम जाति बलाई केकडी (राज.) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषि (अकृषि) प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है-

तहसील और जिले का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्रफल
अजमेर (केकड़ी)	राजस्व ग्राम कोहड़ा	खसरा नं. 1790/779, 1879/1790 1791/780, 1880/1790, 1881/1791	रकबा 0.96 हैक्टयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज .. ....को जारी की गयी। प्राधिकृत अधिकारी का नाम और मुहर

प्रारूप 10 नियम 6 (7) देखिए

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय-नगर परिषद केकड़ी जिला केकड़ी

क्रमांक/नपके/कृ.भू.रू/2023-24/3916 दिनांक: 19/09/2023

लोक सूचना

मामला सं.

श्री दयाराम पुत्र श्री लालाराम जाति बलाई केकडी (राज.) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषि (अकृषि) प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है-

तहसील और जिले का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्रफल
अजमेर (केकड़ी)	राजस्व ग्राम अजगरी	खसरा नं. 1305/452, 1306/452 450, 447	रकबा 0.71 हैक्टयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज .. ....को जारी की गयी। प्राधिकृत अधिकारी का नाम और मुहर

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

क्रमांकः अविप्रा/प.3/भू.उ.परि./2023/325/4137 दिनांकः 19-08-2023

सार्वजनिक सूचना

नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, राजस्थान सरकार के अधिसूचना क्रमांक पं. 11(8) नविवि/2020 दिनांक 24.2.2021 एवं अजमेर विकास प्राधिकरण अधिनियम 2013 के अन्तर्गत निम्नांकित भूमि का आवासीय से सामान्य व्यवसायिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन हेतु प्रस्तावित किया गया है:-

क्र. सं.	नाम आवेदक	योजना का नाम	भूखण्ड संख्या	कुल क्षेत्रफल	जोनल डवलपमेंट प्लॉन 2033 के अनुसार (जोन-1) भू-उपयोग	स्वीकृत भू-उपयोग	चाहा गया भू-उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	श्री प्रमोद माथुर पुत्र श्री चन्द्र नारायण माथुर	हरिभाऊ उपाध्याय नगर (मुख्य)	राजस्व ग्राम कोटड़ा के खसरा सं. 274, 277, 279, 280 में स्थित भूखण्ड सं. ए	272.97 व.मी.	व्यावसायिक	व्यावसायिक	व्यावसायिक (पेट्रोल पम्प)

उपरोक्त भू-उपयोग परिवर्तन किए जाने पर किसी संस्था/व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 15 दिवस में अपनी आपति कारण/विवरण सहित अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर में दर्ज करावें अन्यथा अवधि के उपरान्त किसी भी आपति या सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा। सदस्य सचिव, (भू-उपयोग परिवर्तन समिति) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डलः अजमेर

क्रमांकः 1168 दिनांकः 19-09-2023

जाहिर आम सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 1-ग-10 वैशाली नगर अजमेर योजना में श्री कामता प्रसाद माथुर पुत्र श्री बाला बक्श माथुर को आवंटित कर दिनांक 05.10.1974 को मकान का भौतिक कब्जा सौपा गया था। श्री काम्ता प्रसाद माथुर की मृत्यु दिनांक- 19.09.1989 को हो जाने के कारण उनके उत्तराधिकारी श्री प्रदीप कुमार माथुर, श्री सुभाष चन्द्र माथुर पुत्र स्व. श्री काम्ता प्रसाद माथुर एवम् शशि माथुर, निशि माथुर एवम् हेमलता माथुर पुत्री स्व. श्री काम्ता प्रसाद माथुर द्वारा मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हैं। अब श्री प्रदीप कुमार माथुर, श्री सुभाष चन्द्र माथुर पुत्र स्व. श्री काम्ता प्रसाद माथुर एवम् शशि माथुर, निशि माथुर एवम् हेमलता माथुर पुत्री स्व. श्री काम्ता प्रसाद माथुर ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर स्वयं के नाम हस्तांतरण करने हेतु प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया हैं। श्री प्रदीप कुमार माथुर, श्री सुभाष चन्द माथुर पुत्र स्व. श्री कामता प्रसाद माथुर एवम् शशि माथुर, निशि माथुर एवम् हेमलता माथुर पुत्री स्व. श्री कान्ता प्रसाद माथुर का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन हैं। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। आवासीय अभियंता, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

आपत्ति आमन्त्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मोती राम भांवरिया पुत्र श्री पैमाराम भांवरिया निवासी प्लाट नं. 78. श्रीकरणी उमाविहार गोकुलपुरा जयपुर एवं प्रविण कुमार चौधरी पुत्र श्री रामकिशन रणवा निवासी ओघोगिक चरणतिरतिया 3 फेस जालोर राजस्थान द्वारा राजस्व ग्राम थोक मालियान 3, खसरा संख्या 8982 के नियमन / पट्टा विलेख हेतु निम्न दस्तावेज प्रस्तुत कर आवेदन किया है-

1. खातेदार देवकरण, रामधन, राम गोपाल पुत्रगण श्री रामचन्द्र द्वारा दी जयनगर हाऊसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड अजमेर को दिनांक 22.12.1980 को अंपजीकृत इकरारनामा
2. दी जय नगर को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड अजमेर द्वारा श्रीमती छोटी देवी पत्नी श्री एम.सी. जाट को आवंटन संख्या 1000 दिनांक 22.12.89 से एवं एम.सी. जाट पुत्र श्री हुकमाराम जाट को आवन्टन संख्या 1001 दिनांक 22.12.1989 से आवंटन किया गया।
3. श्रीमती छोटी देवी पत्नी श्री एम.सी. जाट एवं एम.सी. जाट पुत्र श्री हुकमाराम जाट द्वारा जरिये उपहार पत्र दिनांक 02.04.2014 से श्री यतीश नेहरा पुत्र मूलचन्द नेहरा एवं श्रीमती विनिता चौधरी पत्नी यतीश नेहरा को उपहार किया गया।
4. श्री यतीश मेहरा पुत्र मूलचन्द नेहरा एवं श्रीमती विनिता चौधरी पत्नी यतीश नेहरा द्वारा जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 09.10.2020 के द्वारा मोतीराम भांवरिया एवं प्रवीण कुमार चौधरी को बेचान किया गया।

उपरोक्त दस्तावेज के संदर्भ में किसी को आपति हो तो सात दिवस में प्रस्तुत करें अन्यथा आवेदक को पट्टा विलेख जारी कर दिया जावेगा। उपायुक्त (दक्षिण) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

प्रारूप-13
(नियम 13(2) देखिए)

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

क्र.सं. अ.वि.प्रा./सुमोटो/2023/ 2197 दिनांकः 19.09.2023.

लोक सूचना

अंतर्गत धारा 90 A सपठित धारा 91 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956

अधोहस्ताक्षरकर्ता की जानकारी मे यह पाया गया है कि वर्तमान जमाबन्दी के अनुसार हाल (खसरा नम्बर रकबा (हैक्ट. में), किस्म) के क्षेत्र ग्राम कांकरदा भुणाबाय तहसील अजमेर जिला अजमेर मे स्थित भूमि या उसके भाग का गैर -कृषिक आवासीय प्रयोजनो के लिये उपयोग किया जा रहा है/किया गया है, जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.	खातेदार का नाम	खसरा नम्बर (हाल)	क्षेत्रफल	किस्म
1	1. छगनसिंह पुत्र देवीसिंह हिस्सा- 17/96 जाति- रावत सा. देह खातेदार 2. छोटूसिंह पुत्र देवीसिंह हिस्सा- 41/96 जाति- रावत सा. देह खातेदार 3. भैंवर पुत्र देवी हिस्सा- 1/24 जाति- रावत सा. देह खातेदार 4. रणजीत पुत्र देवीसिंह हिस्सा- 17/96 जाति- रावत सा. देह खातेदार 5. राधाकिशन पुत्र देवीसिंह हिस्सा- 17/96 जाति- रावत सा. देह खातेदार,	123	0.13	चाही 3
2	1. सोहनीचोधरी पत्नि विश्वेश्वर चोधरी हिस्सा .जाट सा -पूर्ण जाति - कायड रोड अजमेर खातेदार सरस्वती नगर,	128	0.14	बारानी 2
3	1. अनुपमामाहेश्वरी पत्नि सत्यनारायणमाहेश्वरी हिस्सा- 1019/1600 जाति- माहेश्वरी सा. नि.ग्राम घूघरा खातेदार 2. इन्द्राचौधरी पत्नि जगदीशचौधरी हिस्सा- 37/800 जाति- जाट सा. .क्वाटर न. P-1 वायरलैस शाखा के पास पुलिस लाईन अजमेर खातेदार 3. कंचनकंवर पत्नि भंवरसिंह हिस्सा- 49/1600 जाति- राजपूत सा. 102 सर्वेश्वर नगर अजमेर खातेदार 4. कल्पना शर्मा पत्नि अनुरागशर्मा हिस्सा- 49/1600 जाति- ब्राह्मण सा. 35 लेक्चरार कालोनी सिटी रोड मदनगंज किशनगढ खातेदार 5. महावीरप्रसादचौधरी पुत्र जवाहरलालचौधरी हिस्सा- 139/1600 जाति- जाट सा. पटेलनगर वार्ड न.33 अजमेर खातेदार 6. रेखाअग्रवाल पत्नि विजयअग्रवाल हिस्सा- 49/1600 जाति- अग्रवाल सा. नि.11 गायत्री नगर रोड ब्यावर खातेदार 7. रेणु पत्नि गुलजारीलालरेगर हिस्सा- 49/1600 जाति- रेगर सा. तन्मय विला सिटीरोड किशनगढ खातेदार 8. विश्रामलाल पुत्र घीसालाल हिस्सा- 37/800 जाति- जाट सा. तिलोनिया तह.किशनगढ खातेदार 9. सत्यदेवसिह पुत्र रामचन्द्रसिह हिस्सा- 49/1600 जाति- चारण सा. म.न. 277/29 छीपो का मोहल्ला नया शहर किशनगढ अजमेर खातेदार 10. सुनीता माहेश्वरी पत्नि शिवरतनडांगा हिस्सा- 49/1600 जाति- माहेश्वरी सा. पिनारा चौक पुराना शहरकिशनगढ खातेदार,	129	0.16	बारानी 2
4	1. अनुपमामाहेश्वरी पत्नि सत्यनारायणमाहेश्वरी हिस्सा- 71/200 जाति- माहेश्वरी घूघरा सा.देह खातेदार 2. कंचनकंवर पत्नि भंवरसिंह हिस्सा- 43/400 जाति- राजपूत सर्वेश्वर नगर अजमेर खातेदार 3. कल्पना पत्नि अनुरागशर्मा हिस्सा- 43/400 जाति- ब्राह्मण मदनगंज किशनगढ खातेदार 4. रेखाअग्रवाल पत्नि विजयअग्रवाल हिस्सा- 43/400 जाति- अग्रवाल नि.11 गायत्री नगर रोड ब्यावर खातेदार 5. रेणु पत्नि गुलजारीलालरेगर हिस्सा- 43/400 जाति- रेगर सिटी रोड किशनगढ खातेदार 6. सत्यदेवसिह पुत्र रामचन्द्रसिंह हिस्सा- 43/400 जाति- चारण नयाशहर किशनगढ खातेदार 7. सुनीतामाहेश्वरी पत्नि शिवरतनडांगा हिस्सा- 43/400 जाति- माहेश्वरी पुरानाशहर किशनगढ खातेदार,	130	0.16	बारानी 2
5	1. मधूशर्मा पत्नि राजीवशर्मा हिस्सा पूर्ण -जातिकेसरगंज .ब्राह्मण सा - अजमेर खातेदार,	135	0.01	बारानी 2
6		136	0.09	बारानी 2
7	1. अल्काबंसल पत्नि विश्वनाथबंसल हिस्सा- 131/2900 जाति- अग्रवाल नि. हाथीभाटा अजमेर खातेदार 2. नाबालिग दीपकबंसल पुत्र विश्वनाथबंसल संरक्षक सरपरस्तपिता हिस्सा- 131/2900 जाति- अग्रवाल सा. देह खातेदार 3. नरेन्द्रकुमार पुत्र रामकरण हिस्सा- 167/5800 जाति- जाटव सा. देह खातेदार 4. राकेशकुमार पुत्र रामकरण हिस्सा- 167/5800 जाति- जाटव सा. देह खातेदार 5. लक्ष्मणसिंह पुत्र हालु हिस्सा- 1021/2900 जाति- रावत सा. देह खातेदार 6. शशिअग्रवाल पुत्री रतनलालअग्रवाल हिस्सा- 1/2 जाति- अग्रवाल सा. देह खातेदार,	138	0.20	बारानी 2
8	1. इन्द्राबीजावत पत्नि बालकिशनबीजावत हिस्सा- 643/850 जाति- महाजन सा.पुरानीमण्डी अजमेर खातेदार 2. किरण पत्नि साविओ हिस्सा- 31/850 जाति- रावत निवासी 171 अजमेर सड़क भवानीखेड़ा अजमेर खातेदार 3. नरेंद्र कुमार पुत्र रामकरण हिस्सा- 29/170 जाति- जाटव सा देह खातेदार 4. श्रवण राम पुत्र जीवन राम हिस्सा- 31/850 जाति- जाट निवासी 14 सिंदोलिया की ढाणी मायापुर नागौर खातेदार,	146	0.17	बारानी 2
9	1. इन्द्राबीजावत पत्नि बालकिशनबीजावत हिस्सा- 89/150 जाति- महाजन सा.पुरानीमण्डी अजमेर खातेदार 2. किरण पत्नि साविओ हिस्सा- 61/300 जाति- रावत निवासी 171 अजमेर सड़क भवानीखेड़ा अजमेर खातेदार 3. श्रवण राम पुत्र जीवन राम हिस्सा- 61/300 जाति- जाट निवासी 14 सिंदोलिया की ढाणी मायापुर नागौर खातेदार,	147	0.03	बारानी 2
10	1. अनिता पुत्री छोगासिंह हिस्सा- 1/126 जाति- रावत सा. देह खातेदार 2. कान्ता पुत्री छोगासिंह हिस्सा- 1/126 जाति- रावत सा. देह खातेदार 3. कालूसिंह पुत्र धन्ना हिस्सा- 1/21 जाति- रावत सा. देह खातेदार 4. गीता पुत्री छोगासिंह हिस्सा- 1/126 जाति- रावत सा. देह खातेदार 5. गोपालसिंह पुत्र धन्ना हिस्सा- 1/21 जाति- रावत सा. देह खातेदार	310	0.14	बारानी 3
11	6. फेफी पत्नि काना हिस्सा- 1/15 जाति- रावत सा. देह खातेदार 7. बोदूसिंह पुत्र काना हिस्सा- 1/15 जाति- रावत सा. देह खातेदार 8. मदनसिंह पुत्र धन्ना हिस्सा- 1/21 जाति- रावत सा. देह खातेदार 9. रणजीतसिंह पुत्र काना हिस्सा- 1/15 जाति- रावत सा. देह खातेदार 10. रामा पुत्र लादू हिस्सा- 1/3 जाति- रावत सा. देह खातेदार 11. विक्रमसिंह पुत्र उगमसिंह हिस्सा- 2/15 जाति- रावत सा.देह खातेदार 12. शिवसिंह पुत्र छोगासिंह हिस्सा- 1/126 जाति- रावत सा. देह खातेदार 13. सुनिता पुत्री छोगासिंह हिस्सा- 1/126 जाति- रावत सा. देह खातेदार 14. सवाईसिंह पुत्र धन्ना हिस्सा- 1/21 जाति- रावत सा. देह खातेदार 15. सीमा पुत्री छोगासिंह हिस्सा- 1/126 जाति- रावत सा. देह खातेदार 16. सोहनीदेवी पुत्री धन्ना हिस्सा- 1/21 जाति- रावत सा. देह खातेदार 17. होनीदेवी पत्नि धन्ना हिस्सा- 1/21 जाति- रावत सा. देह खातेदार,	312 / 1671	0.0500	बारानी 3
12	1. कमलादेवी पुत्री छीतर हिस्सा- 1/14 जाति- रावत सा. देह खातेदार 2. कालूसिंह पुत्र छीतर हिस्सा- 1/14 जाति- रावत सा. देह खातेदार 3. किशनसिंह पुत्र मंगला हिस्सा- 1/4 जाति- रावत सा. देह खातेदार 4. गुलाबदेवी पुत्री छीतर हिस्सा- 1/14 जाति- रावत सा. देह खातेदार	315	0.04	चाही 3
13	5. चांदा देवी पत्नि केसर सिंह हिस्सा- 1/70 जाति- रावत सा. देह खातेदार 6. भीमसिंह पुत्र छीतर हिस्सा- 1/14 जाति- रावत सा. देह खातेदार 7. भोलीदेवी पत्नि छीतर हिस्सा- 1/14 जाति- रावत सा. देह खातेदार 8. मांगूसिंह पुत्र मंगला हिस्सा- 1/4 जाति- रावत सा. देह खातेदार 9. मोहनी पुत्री केसर सिंह हिस्सा- 1/70 जाति- रावत सा. देह खातेदार 10. राहुल सिंह पुत्र केसर सिंह हिस्सा- 1/70 जाति- रावत सा. देह खातेदार 11. शंकरसिंह पुत्र छीतर हिस्सा- 1/14 जाति- रावत सा. देह खातेदार 12. शेर सिंह पुत्र केसर सिंह हिस्सा- 1/70 जाति- रावत सा. देह खातेदार 13. संजू पुत्री केसर सिंह हिस्सा- 1/70 जाति- रावत सा. देह खातेदार,	316	0.05	चाही 3
14	1. नाबालिग ख़ुशी पुत्री रतनलाल संरक्षक माता हिस्सा- 1/60 जाति- गुर्जर सा. देह खातेदार 2. गलकूदेवी पत्नि भंवरलाल हिस्सा- 1/12 जाति- गुर्जर सा. देह खातेदार 3. गुलाबदेवी पुत्री भंवरलाल हिस्सा- 1/12 जाति- गुर्जर सा. देह खातेदार 4. पूजा पुत्री सुवालाल हिस्सा- 1/12 जाति- गुर्जर सा. देह खातेदार 5. प्रकाश पुत्र भंवरलाल हिस्सा- 1/12 जाति- गुर्जर सा. देह खातेदार 6. बाबु पुत्र भंवरलाल हिस्सा- 1/12 जाति- गुर्जर सा. देह खातेदार 7. मुकेश पुत्र सुवालाल हिस्सा- 1/12 जाति- गुर्जर सा. देह खातेदार 8. मेवालाल पुत्र सुवालाल हिस्सा- 1/12 जाति- गुर्जर सा. देह खातेदार 9. राजी पुत्री सुवालाल हिस्सा- 1/12 जाति- गुर्जर सा. देह खातेदार 10. नाबालिग राहुल पुत्र रतनलाल संरक्षक माता हिस्सा- 1/60 जाति- गुर्जर सा. देह खातेदार 11. नाबालिग रोहित पुत्र रतनलाल संरक्षक माता हिस्सा- 1/60 जाति- गुर्जर सा. देह खातेदार 12. शारदा पुत्री सुवालाल हिस्सा- 1/12 जाति- गुर्जर सा. देह खातेदार 13. नाबालिग संजू पुत्री रतनलाल संरक्षक माता हिस्सा- 1/60 जाति- गुर्जर सा. देह खातेदार 14. सुवा देवी पत्नि रतनलाल हिस्सा- 1/60 जाति- गुर्जर सा. देह खातेदार 15. सीमा पुत्री भंवरलाल हिस्सा- 1/12 जाति- गुर्जर सा. देह खातेदार 16. हरी पुत्र भंवरलाल हिस्सा- 1/12 जाति- गुर्जर सा. देह खातेदार,	317	0.08	बारानी 3
15	1. फेफी पत्नि काना हिस्सा- 1/5 जाति- रावत सा. देह खातेदार 2. बोदूसिंह पुत्र काना हिस्सा- 1/5 जाति- रावत सा. देह खातेदार	342	0.10	चाही 3
16	3. रणजीतसिंह पुत्र काना हिस्सा- 1/5 जाति- रावत सा. देह खातेदार 4. विक्रमसिंह पुत्र उगमसिंह हिस्सा- 2/5 जाति- रावत सा.देह खातेदार,	343	0.04	चाही 3
17	1. काना पुत्र लादू हिस्सा- 1/4 जाति- सोनी सा.देह खातेदार 2. जगदीशप्रसाद पुत्र चुन्नीलाल हिस्सा- 1/4 जाति- सोनी सा. लोहाखान पुलिस लाइन अजमेर खातेदार 3. धन्ना पुत्र लादू हिस्सा- 1/4 जाति- सोनी सा.देह खातेदार 4. रामा पुत्र लादू हिस्सा- 1/4 जाति- सोनी सा.देह खातेदार,	321 / 1442	0.0700	बारानी 1
18	1. नाथूलाल चौधरी पुत्र उगमाराम हिस्सा- 1/2 जाति- जाट सा. मोहम्मदगढ खातेदार 2. विमलादेवी पत्नि अमरसिंह हिस्सा- 1/2 जाति- टेलर सा. देह खातेदार,	323	0.22	चाही 3
19	1. अनुपमा माहेश्वरी पत्नि सत्यनारायण माहेश्वरी हिस्सा- 557/1200 जाति- माहेश्वरी सा.अजमेर खातेदार 2. अनुरागसिहं पुत्र त्रिलोचनसिंहखंडूजा हिस्सा- 1/240 जाति- सिक्ख नि.9/108 शोभराज होटल के पास गंज अजमेर खातेदार 3. त्रिलोचनसिंह पुत्र करतारसिंह हिस्सा- 23/240 जाति- सिक्ख नि.9/108 शोभराज होटल के पास गंज अजमेर खातेदार 4. दीप्तिखंडूजा पुत्री त्रिलोचनसिंहखंडूजा हिस्सा- 109/600 जाति- सिक्ख नि. 9/108 शोभराज होटल के पास गंज अजमेर खातेदार 5. मधुलता सोनवाल पत्नि कमलसिंहसोनवाल हिस्सा- 101/1200 जाति- कोली नि. 123/42 गुरू कृपा सुरभी विहार धोलाभाटा अजमेर खातेदार 6. रामवती पत्नि हरकिशनमीणा हिस्सा- 17/100 जाति- मीणा नि.कल्याणपुरा तहसील राजगढ जिला अलवर हाल अलवरगेट अजमेर खातेदार,	328	0.12	बारानी 2
20	1. केशरदेवी पुत्री भंवरलाल हिस्सा- 1/24 जाति- रावत सा. देह खातेदार 2. केशरसिंह पुत्र भंवरलाल हिस्सा- 1/24 जाति- रावत सा. देह खातेदार 3. किशनसिंह उर्फ बबलू पुत्र भंवरलाल हिस्सा- 1/24 जाति- रावत सा. देह खातेदार 4. खेमा पुत्र लादू हिस्सा- 1/4 जाति- रावत सा. देह खातेदार 5. चन्दनसिंह पुत्र भंवरलाल हिस्सा- 1/24 जाति- रावत सा. देह खातेदार 6. पप्पुसिंह पुत्र लादू हिस्सा- 1/4 जाति- रावत सा. देह खातेदार 7. प्रेमदेवी पत्नि बोदूसिंह हिस्सा- 1/16 जाति- रावत सा. देह खातेदार 8. नाबालिग मुकेश पुत्र बोदूसिंह संरक्षक सरपरस्त माता हिस्सा- 1/16 जाति- रावत सा. देह खातेदार 9. नाबालिग माया पुत्री बोदूसिंह संरक्षक सरपरस्त माता खुद हिस्सा- 1/16 जाति- रावत सा. देह खातेदार 10. राधादेवी पत्नि भंवरलाल हिस्सा- 1/24 जाति- रावत सा. देह खातेदार 11. रिन्कु पुत्र बोदूसिंह हिस्सा- 1/16 जाति- रावत सा. देह खातेदार 12. शक्तिसिंह पुत्र भंवरलाल हिस्सा- 1/24 जाति- रावत सा. देह खातेदार,	330	0.03	बारानी 3
21	1. अनिता पुत्री छोगासिंह हिस्सा- 1/42 जाति- रावत सा. देह खातेदार	333	0.21	चाही 3
22	2. कान्ता पुत्री छोगासिंह हिस्सा- 1/42 जाति- रावत सा. देह खातेदार 3. कालूसिंह पुत्र स्व.धन्ना हिस्सा- 1/7 जाति- रावत सा. देह खातेदार	334	0.07	चाही 3
23	4. गीता पुत्री छोगासिंह हिस्सा- 1/42 जाति- रावत सा. देह खातेदार 5. गोपालसिंह पुत्र स्व.धन्ना हिस्सा- 1/7 जाति- रावत सा. देह खातेदार	337	0.12	चाही 3
24	6. मदनसिंह पुत्र स्व.धन्ना हिस्सा- 1/7 जाति- रावत सा. देह खातेदार	341	0.14	चाही 3
25	7. शिवसिह पुत्र छोगासिंह हिस्सा- 1/42 जाति- रावत सा. देह खातेदार 8. सुनिता पुत्री छोगासिंह हिस्सा- 1/42 जाति- रावत सा. देह खातेदार 9. सवाईसिंह पुत्र स्व.धन्ना हिस्सा- 1/7 जाति- रावत सा. देह खातेदार 10. सीमा पुत्री छोगासिंह हिस्सा- 1/42 जाति- रावत सा. देह खातेदार 11. सोहनीदेवी पुत्री स्व.धन्ना हिस्सा- 1/7 जाति- रावत सा. देह खातेदार 12. होनीदेवी पत्नि धन्ना हिस्सा- 1/7 जाति- रावत सा. देह खातेदार,	344	0.07	चाही 3
26	1. रामा पुत्र लादू हिस्सादेह खातेदार .रावत सा -पूर्ण जाति -,	335	0.03	चाही 3
27		336	0.09	चाही 3
28		338	0.23	चाही 3
29		339	0.22	चाही 3
30		340	0.02	चाही 3
31	1. इन्द्रा रावत पत्नि मक्खनसिंह हिस्सा- 167/1900 जाति- रावत सा. बान्दनवाडा खातेदार 2. कमला पंचोली पत्नि भंवरलालपंचोली हिस्सा- 22/475 जाति- गुर्जर सा. बान्दनवाडा खातेदार 3. गांधीदेवीरावत पत्नि भंवरसिंहरावत हिस्सा- 187/1900 जाति- रावत सा. लाडपुरा खातेदार 4. जयसरादेवी पत्नि छबीलाल हिस्सा- 101/1900 जाति- थापा सा. शिवनगर तोपदडा खातेदार	345	0.19	बारानी 3

शेष अगले पृष्ठ पर

840 ग्राम गांजा के साथ महिला गिरफ्तार

भीलवाडा। जिले की आसींद थाना पुलिस ने 840 ग्राम गांजा ले जाती महिला को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक के आदेश से अवैध शराब और अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत आसींद डीएसपी के सुपरविजन में आसींद थाने के सब इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह गश्त पर थे। इस दौरान नेशनल हाइवे 158 से कृष्णानगर वाली सड़क पर पीले रंग की ओढनी ओढे एक महिला हाथ में प्लास्टिक की थैली लेकर आती नजर आई। यह महिला थैली को ओढनी में छिपाये हुये थी। पुलिस की जीप को देखकर महिला तेजगति से जाने लगी। पुलिस ने उसके पास जीप रोकी तो वह घबरा गई। पुलिस ने संदिग्ध लगी इस महिला से पूछताछ की तो उसने खुद को वार्ड नंबर दस कृष्णानगर, आसींद निवासी लाडू (56) पत्नी स्व. लालूराम कुमावत बताया। उसके पास मिली थैली की तलाशी ली तो उसमें गांजा था। वजन करवाने पर गांजा 840 ठााम पाया गया। पुलिस ने अवैध गांजा जब्त कर महिला लाडू कुमावत को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया, जिसकी जांच आसींद थाना अधिकारी फूलचंद कर रहे हैं।

घर घर विराजे प्रथम पूज्य विघ्नहर्ता भगवान गणपति

अजमेर, 19 सितम्बर, (कासं)। गणेश चतुर्थी पर्व के अवसर पर प्रथम पूज्य भगवान विघ्नहर्ता गणपति घर घर सहित पंडालों में विराजमान हुए। भगवान गणपति का जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। शहर सहित जिले भर के मंदिरों में दोपहर 12 बजे जन्म आरती हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। पूजा अर्चना के साथ ही गणेश महोत्सव का पर्व 10 दिनों 28 सितंबर तक धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्य सिद्धि मंदिर में भगवान गणपति का आजादी के अमृत महोत्सव के तहत तिरंगा शृंगार किया गया और 1100 किलो के तीन लडड् का भोग लगाया। तीनों लडडू भी तिरंगा थीम पर आधारित थे।

भगवान गणेशजी का जन्मोत्सव गणेश चतुर्थी का 10 दिवसीय पर्व मंगलवार से अजमेर शहर सहित जिले भर में हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाया। शुभ मुहूर्त पर मंदिरों और घरों में गणेश भगवान की पूजा अर्चना की गई। पूजा के बाद भगवान गणेश के भोग लगाया गया। आगरा गेट स्थित प्राचीन गणेश मंदिर पर महंत घनश्याम आचार्य के सानिध्य में मंगलवार को भगवान गणपति का पंचामृत से अभिषेक कर विशेष श्रृंगार किया गया, तत्पश्चात दोपहर 12 बजे जन्म आरती की गई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर के महंत घनश्याम आचार्य ने बताया कि सोमवार देर रात्रि को जागरण का आयोजन हुआ, जिसमें गायक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। मंगलवार को सुबह 6 बजे मंगला आरती के बाद गणपति अथर्वशीर्ष सात बजे संध्या कालीन आरती हुई।

पुरानी मंडी चौक में भगवान गणेश जी महाराज की विधि विधान के साथ स्थापना की।

यात्रा की रवानगी आज

अजमेर, 19 सितम्बर, (कासं)। अजमेर संभाग से 180 वरिष्ठ नागरिकों का दल कामाख्या देवी, आसाम के दर्शनों के लिए 19 सितंबर को दोपहर 12 बजे अजमेर रेलवे स्टेशन से स्पेशल ट्रेन द्वारा धार्मिक यात्रा पर जाएंगे और आगे जयपुर संभाग से तथा अलवर से भी वरिष्ठ नागरिक इस ट्रेन में साथ शामिल होते जाएंगे। इस तरह से करीब 180 यात्री कामाख्या देवी दर्शन हेतु जाएंगे। देवस्थान विभाग के माध्यम से इन वरिष्ठ नागरिक यात्रियों का चयन एक निर्धारित प्रक्रिया द्वारा किया गया है और फिर उन्हें यात्रा पर आईआरसीटीसी (रेलवे) के माध्यम से भेजा जाएगा और उनकी यात्रा पूर्णतया निःशुल्क होती है, इस यात्रा के अन्दर इन वरिष्ठ नागरिकों को भोजन, मेडिकल एवं धार्मिक स्थलों पर भ्रमण हेतु आवक-जावक माध्यम बस इत्यादि का खर्च भी राजस्थान सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन

अजमेर, 19 सितम्बर, (कासं)। 67 वी जिला स्तरीय नेटबॉल एवं रग्बी फुटबॉल प्रतियोगिता (छात्र और छात्रा वर्ग) 17 व 19 आयु वर्ग का उद्घाटन ध्वजारोहण के साथ आज मंगलवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तोपदड़ा अजमेर में मुख्य अतिथि डॉ0 एम0के0 सिंह वाइस प्रिंसिपल डी ए वी कॉलेज, सीडीईओ प्रमोद तिवारी और प्रधानाचार्य शंभू सिंह लांबा ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के दीप प्रज्ववलन और माल्यार्पण कर की गई। अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण, साफा बंधन और स्मृति चिन्ह भेंटकर कर किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ एमके सिंह ने संबोधित करते हुए खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ अपनी पूरी ऊर्जा लगाकर विजय प्राप्त करने का संदेश दिया, उन्होंने खिलाड़ियों का उत्सव वर्धन करते हुए कहा कि आज हमारे लड़के और लड़कियां शिक्षा के साथ-साथ खेल जगत में भी अपना नाम रोशन कर रही है। सीडीओ तिवारी ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर जिला जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेना निश्चित तौर पर आप खिलाड़ियों के साथ-साथ अभिभावकों के लिए भी गौरव की बात है। प्रधानाचार्य शंभू सिंह लांबा ने बताया कि इस वर्ष शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न खेलों के ब्लॉक स्तरीय और जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन का साक्षी उच्च माध्यमिक विद्यालय तोपदड़ा रहा है। आने वाले समय में भी दो और खेल प्रतियोगिता का आयोजन तोपदड़ा द्वारा किया जाने वाला है।

मेले का आयोजन

बिजयनगर, 19 सितंबर (निसं)। प्रथम पूज्य भगवानगणेशकी चतुर्थी के अवसर पर सिद्ध गणपति मंदिर परप्रातः काल से हीदर्शनार्थियों की भीड़ लगी रही।विप्र समाज भवन स्थित सिद्ध गणपति मंदिर में प्रथम पूज्यभगवान गणेश का विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करते हुए अभिषेक किया गया त्मंदिर पुजारी मनीष शर्मा के सानिध्य मेंआयोजित कार्यक्रम में मध्यान्ह में मंदिर मे भगवान गणेश की प्रतिमा को 151 किलो मोदक का भोग लगाते हुए महा आरती कीगई। मध्यान्ह महाआरती के पश्चात परंपरागत रूप से लगने वाले की शुरुआत की गई।

आयोजित कार्यक्रम में विप्र समाज अध्यक्ष ओमप्रकाश तिवारी, रामप्रसाद जोशी, कैलाश शर्मा, दिनेश शर्मा, सुजीत शर्मा, बृजमोहन पाराशर, विश्वनाथ पाराशर, सुनील तातेड, सुनील लोढ़ा, रामस्वरूप मेवाड़ा, संजीव भटेवडा, प्रमोद जागेटिया, भगवान कटारा, बाबूलाल पाराशर, घनश्याम सोनी, पार्षद मधु जाजू, कालू जाजू, कांता बुरड, शांतिलाल बुरड़ व विनोद भंसाली सहित श्रद्धालु एवं मातृशक्ति महा आरती में शामिल हुए। प्रतिवर्ष लगने वाले मेले में खाने-पीने के स्टॉल मनोरंजन के लिए झूले चकरी राधे रात्रि तक में मेलार्थियों ने आनंद उठाया।

रामेश्वरम भवन का लोकार्पण 28 अक्टूबर को

भीलवाड़ा। श्रीनगर माहेश्वरी सभा एवं रामेश्वरम भवन समिति भीलवाड़ा के संयुक्त तत्वाधान में 18 सितंबर 2023 सोमवार को प्रातः 9.00 बजे रामेश्वरम भवन में उपस्थित पदाधिकारी एवं कार्य समिति सदस्यों की बैठक हुई। सभा मंत्री संजय जागेटिया ने बताया कि बैठक का शुभारंभ भगवान महेश के छायाचित्र पर पुष्प, तिलक एवं दीप प्रज्वलित कर भवन समिति अध्यक्ष कैलाश कोठारी, जिलाध्यक्ष अशोक बाहेती, मार्गदर्शक बंसीलाल सोडाणी एवं नगर अध्यक्ष केदार गगरानी ने किया। उसके पश्चात पधारे हुए सभी समाज बंधुओं का तिलक लगाकर स्वागत सत्कार किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य रामेश्वरम भवन लोकार्पण की घोषणा एवं आयोजन को सफल बनाने हेतु विभिन्न समितियों का गठन करना रहा। भवन समिति अध्यक्ष कैलाश कोठारी ने बताया कि सभी के तन मन धन के सहयोग से विशाल आधुनिक सुविधा युक्त रामेश्वरम भवन की दूसरी बिल्डिंग का कार्य अंतिम चरण में है तथा 28 अक्टूबर 2023 को इसका लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न करवाने की जानकारी प्रदान की। साथ ही विभिन्न दानदाताओं के नाम लिखवाने हेतु आवश्यक सुझाव, जनरेटर सेट लगवाने एवं भवन व्यवस्था हेतु समाज जनों के सहयोग हेतु आवश्यक सुझाव मांगे। तथा साथ ही प्रदेश सभा एवं जिला सभा के तत्वावधान में 28 व 29 अक्टूबर 2023 को श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के पदाधिकारी एवं कार्य समिति सदस्यों के बैठक भी होनी है इसके अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर के समस्त समाज बंधु इस बैठक में शिरकत करेंगे, प्रदेश सभा के निर्देशानुसार कार्य समिति बैठक की तैयारी की जाएगी। भवन समिति मंत्री राजेंद्र बिरला ने भवन निर्माण संबंधी विशेष जानकारी देते हुए 10 अक्टूबर 2023 तक प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय मंजिल का निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा तथा ठााउंड फ्लोर का कार्य जितना संभव हो पाएगा पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। भवन समिति कोषाध्यक्ष सुरेश कचोलिया ने लोकार्पण संबंधी कार्य हेतु विभिन्न समितियों मे सहयोग प्रदान करने की बात कही। अंत में सभाध्यक्ष केदार गगरानी ने आए हुए सभी सम्मानित समाज बंधुओ का अल्प निवेदन पर पधारने का धन्यवाद प्रदान किया।

क्षमायाचना का पर्व मनाया

आसींद, 19 सितम्बर (निसं)। मन की शांति को पाने के लिए क्षमा का पर्व संवत्सरी तप और त्याग के साध मरुधरा ज्योति साध्वी कमल प्रभा के सानिध्य में महावीर भवन में मनाया गया। साध्वी ने कहा कि क्षमा करने से प्रसन्नता के भावो में रमण होता है। जिसके साथ किसी भी प्रकार का मन मुटाव हो उससे क्षमा अवश्य मांगनी चाहिए। वाणी अगर अच्छी हो तो मन ही मंदिर है। अपने स्वभाव को सरल बनाना है माचिस की तिल्ली की तरह उठा नही बनाना है। पर्युषण पर्व के अंतिम दिन आज सभी जीवों से प्रतिक्रमण के दौरान मिच्छामि दुक्कडम किया जाएगा। साध्वी लब्धि प्रभा ने कहा कि यह पर्व आत्मा का अवलोकन और निरीक्षण करने का पर्व है। हमने पिछले साल भर में क्या खोया और क्या पाया है।

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

क्रमांक: अविप्रा/प.3/भू.उ.परि./2023/4139 दिनांक: 19-09-2023

सार्वजनिक सूचना

नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, राजस्थान सरकार के अधिसूचना क्रमांक पं. 11(8) नविवि/2020 दिनांक 24.2.2021 एवं अजमेर विकास प्राधिकरण अधिनियम 2013 के अन्तर्गत निम्नांकित भूमि का आवासीय से सामान्य व्यवसायिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन हेतु प्रस्तावित किया गया है:-

क्र. सं.	नाम आवेदक	योजना का नाम	भूखण्ड सं.	कुल क्षेत्रफल	जोनल डवलपमेंट प्लॉन 2033 (जोन-4) के अनुसार भू-उपयोग	स्वीकृत भू-उपयोग	चाहा गया भू-उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	करनदीप भल्ला पुत्र स्व. श्यामसुन्दर भल्ला, शैली भल्ला पत्नी करनदीप भल्ला	राजस्व ग्राम घूघरा	खसरा सं. 448 भूखण्ड सं. 1, 2, 3, 4-ए	358.06 व.मी.	आवासीय योजना के तहत आवासीय नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के आदेश दिनांक 04.08.2023 के अनुसार मिश्रित	आवासीय	सामान्य व्यावसायिक

उपरोक्त भू-उपयोग परिवर्तन किए जाने पर किसी संस्था/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 15 दिवस में अपनी आपत्ति कारण/विवरण सहित अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर में दर्ज करावें अन्यथा अवधि के उपरान्त किसी भी आपत्ति या सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा। सदस्य सचिव, (भू-उपयोग परिवर्तन समिति) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

क्रमांक: अविप्रा/प.3/भू.उ.परि./2023/4140 दिनांक: 19-09-2023

सार्वजनिक सूचना

नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, राजस्थान सरकार के अधिसूचना क्रमांक पं. 11(8) नविवि/2020 दिनांक 24.2.2021 एवं अजमेर विकास प्राधिकरण अधिनियम 2013 के अन्तर्गत निम्नांकित भूमि का आवासीय से सामान्य व्यवसायिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन हेतु प्रस्तावित किया गया है:-

क्र. सं.	नाम आवेदक	योजना का नाम	भूखण्ड सं.	कुल क्षेत्रफल	जोनल डवलपमेंट प्लॉन 2033 (जोन-4) के अनुसार भू-उपयोग	स्वीकृत भू-उपयोग	चाहा गया भू-उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	अंकुर असावा पुत्र ललित असावा, ललित असावा, पुत्र स्व. गंगाप्रसाद असावा	राजस्व ग्राम घूघरा	खसरा सं. 448 भूखण्ड सं. 1, 2, 3, 4-बी	336.14 व.मी.	आवासीय योजना के तहत आवासीय नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के आदेश दिनांक 04.08.2023 के अनुसार मिश्रित	आवासीय	सामान्य व्यावसायिक

उपरोक्त भू-उपयोग परिवर्तन किए जाने पर किसी संस्था/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 15 दिवस में अपनी आपत्ति कारण/विवरण सहित अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर में दर्ज करावें अन्यथा अवधि के उपरान्त किसी भी आपत्ति या सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा। सदस्य सचिव, (भू-उपयोग परिवर्तन समिति) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

अविप्रा

लोक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1) अरविन्द व्यास पुत्र प्रकाश चन्द व्यास (2) राजकुमारी व्यास पत्नि श्री प्रकाश चन्द व्यास निवासी हमीरगढ़ हाऊस सात पीपली बालाजी का मन्दिर शिवनगर बिहारीगंज, अजमेर की क्षेत्रफल 250 वर्गगज के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु ग्राम थोक मालियान तृतीय के वर्किंग खसरा नम्बर 8122, 8125, 8126, 8131 में प्रक्रियाधीन है। उक्त भूखण्ड की भूमि आवेदक ने स्व. श्री लक्ष्मीलाल शर्मा पुत्र छोगालाल शर्मा से जरिये वसीयतनामे के प्राप्त हुई है। लक्ष्मीलाल शर्मा को ओमप्रकाश पुत्र बेनीगोपाल शर्मा से जरिये रजिस्टर्ड बेचान दिनांक 22/10/82 से प्राप्त हुई है। ओमप्रकाश शर्मा को खातेदार पीरू वल्द गोपाल माली के वारिसानों क्रमशः सुगनी पत्नी पीरू, मूलचन्द, नोरतमल, खेमचन्द, प्रेमवती, शान्ति देवी, पि. पीरू जाति माली के मुख्तयारआम से प्राप्त हुई है। उक्त वसीयत की अन्तिम वसीयत है। राज्य सरकार के परिपत्र दिनांक 28.07.2022 के अनुसार दैनिक समाचार पत्र मे विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है। अतः किसी भी हितबद्धधारी को उक्त वसीयत के संबंध मे तथा इस नियमन के संबंध मे आपत्ति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जायेगी। उपायुक्त दक्षिण अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

अविप्रा

लोक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1) आनन्द व्यास पुत्र प्रकाश चन्द व्यास (2) संगीता व्यास पत्नि श्री आनन्द व्यास निवासी हमीरगढ़ हाऊस सात पीपली बालाजी का मन्दिर शिवनगर बिहारीगंज, अजमेर की क्षेत्रफल 250 वर्गगज के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु ग्राम थोक मालियान तृतीय के वर्किंग खसरा नम्बर 8122, 8125, 8126, 8131 में प्रक्रियाधीन है। उक्त भूखण्ड की भूमि आवेदक ने स्व. श्री लक्ष्मीलाल शर्मा पुत्र छोगालाल शर्मा से जरिये वसीयतनामे के प्राप्त हुई है। लक्ष्मीलाल शर्मा को ओमप्रकाश पुत्र बेनीगोपाल शर्मा से जरिये रजिस्टर्ड बेचान दिनांक 22/10/82 से प्राप्त हुई है। ओमप्रकाश शर्मा को खातेदार पीरू वल्द गोपाल माली के वारिसानों क्रमशः सुगनी पत्नी पीरू, मूलचन्द, नोरतमल, खेमचन्द, प्रेमवती, शान्ति देवी, पि. पीरू जाति माली के मुख्तयारआम से प्राप्त हुई है। उक्त वसीयत की अन्तिम वसीयत है। राज्य सरकार के परिपत्र दिनांक 28.07.2022 के अनुसार दैनिक समाचार पत्र मे विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है। अतः किसी भी हितबद्धधारी को उक्त वसीयत के संबंध मे तथा इस नियमन के संबंध मे आपत्ति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जायेगी। उपायुक्त दक्षिण अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920

क्रमांक : RO (OR) / 746 दिनांक : 19/9/23

– आपत्ति सूचना–

प्रशासन शहरों के संग अभियान 2021 के अन्तर्गत नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग, राज. जयपुर के आदेश क्रमांक प17 (1) नविवि/अभियान/2021/म.म.ज्ञा जयपुर दिनांक 28.09.2021 की पालना में नगर निगम सीमा क्षेत्र में किराये/लाईसेंस/लघु लीज अवधि पर दी गई दुकानों को फ्री होल्ड पर करने के निर्देश प्रदान किये है। उक्त आदेशों के अन्तर्गत इस कार्यालय में निम्न दुकानदारों द्वारा भूखण्ड/दुकान को फ्री होल्ड पर लेने हेतु आवेदन मय दस्तावेज आवेदन प्रस्तुत किये है जो कि:–

क्र. सं.	भूखण्ड/दुकान संख्या	योजना का नाम	आवंटन वर्ष	मूल आवंटी	वर्तमान में काबिज व्यक्ति/आवेदक का नाम
1.	138	अनाजमण्डी पडाव अजमेर	–	कपूरचंद जैन / देवचंद जैन	गुलजारी लाल जैन पुत्र कपूरचंद जैन
2.	75	अनाजमण्डी पडाव अजमेर	1976	हरपाल दास/रमनदास	रमेश तोलानी पुत्र चनोमल
3.	115	अनाजमण्डी पडाव अजमेर	–	मुर्जमल /वूलचंद	जेठानन्द पुत्र शेवकराम
4.	76	अनाजमण्डी पडाव अजमेर	1976	हरपालदास/रमनदास	रमेश तोलानी पुत्र चनोमल
5.	133	अनाजमण्डी पडाव अजमेर	–	जग्गुमल उर्फ जगदीश कुमार/लोकुमल	ईश्वरी देवी पत्नि जग्गुगल उर्फ जगदीश कुमार
6.	8ए	मदारगेट खाईलैण्ड मार्केट अजमेर	1983	राधाकिशन/मुरलीधर लालवानी	भगवानदास पुत्र मुरलीधर लालवानी
7.	8बी	मदारगेट खाईलैण्ड मार्केट अजमेर	1983	लालचन्द/मुरलीधर	लक्ष्मीचन्द लालवानी पुत्र मुरलीधर लालवानी
8.	9	मदारगेट खाईलैण्ड मार्केट अजमेर	1983	लीलाराम/फव्योमल	अजय जैन पुत्र सुमत चन्द जैन
9	53	परचुनी मण्डी पडाव अजमेर	1974	किशनचन्द / वाधुमल	देवी खुवचन्दानी पत्नि रामचन्द्र खुवचन्दानी
10.	99	परचुनी मण्डी पडाव अजमेर	1976	हरिराम / कुनदोमल	हीरालाल पुत्र भैरूमल
11.	76	परचुनी मण्डी पडाव अजमेर	1974	चनोमल/मूलचंद	हरूमल आसनानी पुत्र मोहनदास
12.	17	रसाला बावडी, संजय मार्केट, पडाव अजमेर	1981	लीलाराम/धीरूमल	रोहित गुप्ता पुत्र मुरारीलाल
13.	16	रसाला बावडी, संजय मार्केट, पडाव अजमेर	1981	बाबुलाल गुप्ता /मुरारीलाल गुप्ता	रोहित गुप्ता पुत्र मुरारीलाल
14.	35	रसाला बावडी, संजय मार्केट, पडाव अजमेर	1989	बाबुलाल गुप्ता /मुरारीलाल गुप्ता	रोहित गुप्ता पुत्र मुरारीलाल
15.	462/23	लाल बाजार पडाव अजमेर	1963	उत्तमचंद/ देवोमल	जयकिशन/उत्तमचंद
16.	390/23 78/30	लाल बाजार पडाव अजमेर	1955	मिछुमल / रेवाचंद	पुरषोत्तम मोहनानी /वासदेव मोहनानी
17.	460/23	लाल बाजार पडाव अजमेर	1955	दुल्हानोमल / सतरामदास	सेवाराम / दुल्हानोमल
18.	467/23	लाल बाजार पडाव अजमेर	1989	भगवान दास बदलानी / उत्तमचंद बदलानी	/ सुशीला कोचटा पुत्र नेमीचंद कोचेटा
19.	29	गोदाम अनाजमण्डी पडाव अजमेर	1975	रामधन / कल्याणमल	रमेश बाकलीवाल पुत्र माणकचंद
20.	28	गोदाम अनाजमण्डी पडाव अजमेर	1975	नारायणदास / रामचंद	लक्ष्मी बाई पत्नि टीकमदास भगतानी

अतः किसी आम व खास को कोई उज /आपत्ति हो तो इस कार्यालय में सूचना प्रकाशन की तिथि से सात दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज के प्रस्तुत करें बाद मियाद गुजरने पर किसी भी उज्र/ आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा एवं नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त
नगर निगम, अजमेर

'कठोर परिश्रम कर विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त करें'

अजमेर, 19 सितम्बर, (कासं)। दयानंद महाविद्यालय में करियर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में सरकारी नौकरी प्राप्त करने के गुर विद्यार्थियों को सिखाए गए।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉक्टर लक्ष्मीकांत ने बताया कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों की सबसे बड़ी समस्या उन्हें सही मार्गदर्शन प्रदान करने की है इन्हीं सभी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सोमवार को दयानंद महाविद्यालय में कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में सरकारी नौकरी को प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि एसजी क्लासेस यूको बैंक की ओर से आयोजित की गई डीएवी कॉलेज शाखा यूको बैंक मैनेजर भवानी सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अनुशासन और निरंतरता के साथ कड़ी मेहनत करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की बात कहीं। इस अवसर पर डॉ संत कुमार ने स्वालंबन अभियान और रोजगार केदो के साथ विद्यार्थियों को अनेक प्रकार के स्टार्ट अप व आत्मनिर्भर भारत की जानकारी विद्यार्थियों को दी महाविद्यालय प्राचार्य डॉक्टर लक्ष्मीकांत एसजी क्लासेस के डिप्टी डायरेक्टर सुरेंद्र सिंह चौहान यूको बैंक के मैनेजर भवानी सिंह को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय कृषि संकाय क्रीडा संकाय कला संकाय वाणिज्य संकाय विज्ञान संकाय के 600 विद्यार्थी सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ नरेश बिजानिया, डॉ हरि कृष्ण सेन, आकाश ठाकुर,डॉ कविता शर्मा, डॉ मेघा शर्मा, सुनील शर्मा, डॉ भारत भूषण, डॉ श्वेता, डॉ नूतन कुंपावत, डॉ दीपा हरवानी सहित अनेक प्राध्यापक उपस्थित थे।

पैदल यात्रियों के जत्थे

मसूदा,19 सितंबर (निसं)। निकटवर्ती ग्राम देवमाली स्थित गुजर्र समाज के आराध्य देव भगवान देवनारायण के दर्शनार्थ देवभक्तो के जत्थे कस्बे में होकर गुजरने से कस्बे का वातावरण देवमय हो रहा है। देवमाली में भरने वाला वार्षिक मेला जैसे जैसे पास आ रहा है वैसे ही जातरुओं के जत्थे भी लगातार बढ़ रहे है।अजमेर जयपुर नागौर से पहुंचे जत्थों का मसूदा क़स्बे में जगह जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया जा रहा है। विभिन्न क्षेत्रों से भक्तजनों के जत्थे में के शामिल होने से कस्बेवासियों ने जगह जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत के साथ अल्पाहार की व्यवस्था की गई।

अजमेर में पशु चिकित्सा सेवाएं चरमराईं

अजमेर, 19 सितम्बर, (कासं)। नॉन प्रैक्टिसिंग एलाउंस की मांग को लेकर अजमेर सहित पूरे राजस्थान में पशु चिकित्सकों ने आज अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश प्रारम्भ कर दिया। आज पहले दिन कार्य बहिष्कार पूरी तरह सफल रहा। सभी पशु-चिकित्सक ने एकता दिखाते हुए सम्पूर्ण रूप से बहिष्कार किया। पशुपालन विभाग के सभी कार्यालय सूने पड़े रहे और ठाामीण क्षेत्रों में पशु चिकित्सालय में पशु चिकित्सा सेवाएं पूरी तरह से बाधित रहीं। पशु चिकित्सा सेवाएं न मिलने से पशुपालक, पशुप्रेमी परेशान रहे। पशुरोग प्रयोगशाला में जांचें भी नहीं हो सकीं। उल्लेखनीय है कि सरकार द्वारा कामधेनु बीमा योजना के 6 सितंबर 2023 की घोषणा के बाद, एक भी बीमा पॉलिसी जारी नहीं की गई है। इस कारण से पशु पालकों में सरकार के खिलाफ काफी असंतोष है। पशुपालन विभाग के अलावा अन्य विभागों जैसे गोपालन विभाग, वन विभाग आदि में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थापित पशु-चिकित्सकों ने नॉन प्रैक्टिसिंग एलाउंस की मांग का समर्थन करते हुए कार्य बहिष्कार किया। वन विभाग में वन्यजीवों के रेस्क्यू ऑपरेशन, वन्यजीव चिकित्सा, जैविक उद्यान, चिड़ियाघर, अभ्यारण में चिकित्सा कार्य बंद रहे। इस बीच पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव ने आज सभी अतिरिक्त निदेशक, संयुक्त निदेशक को अपने कार्यालय में उपस्थित रहने के आदेश जारी किए लेकिन इस आदेश की हवा निकालते हुए सभी अधिकारियों ने कार्य बहिष्कार किया। निदेशालय में निदेशक महोदय के अतिरिक्त समस्त अधिकारियों की उपस्थिति शून्य रही। राजस्थान पशु-चिकित्सक संघ अजमेर के महासचिव डॉ आलोक खरे ने अवगत कराया कि आज शास्त्री नगर अजमेर स्थित परिसर में अजमेर जिले के सभी पशु चिकित्सकों ने धरना दिया।

	5. तारा जैन पत्नि राजमल पोखरना हिस्सा- 91/950 जाति- जैन सा. बान्दनवाडा खातेदार			
	6. फूमाबाई पत्नि सूरजमल हिस्सा- 89/950 जाति- गुर्जर सा. घूघरा खातेदार			
	7. योगिताजैन पत्नि प्रदीप जैन हिस्सा- 421/1900 जाति- जैन सा. बान्दनवाडा खातेदार			
	8. रामविलास जांगिड़ पुत्र लादूराम जांगिड़ हिस्सा- 121/950 जाति- जांगिड सा. बान्दनवाडा खातेदार			
	9. लक्ष्मणसिंह पुत्र प्रतापसिंह हिस्सा- 167/1900 जाति- रावत सा. बान्दनवाडा खातेदार			
	10. सरोज बाला पत्नि गजानन्द शर्मा हिस्सा- 167/1900 जाति- ब्राह्मण सा. 632 शिवनगर फॉयसागर अजमेर खातेदार,			
32	1. गांधी पत्नि भवरसिंह हिस्सा- 29/200 जाति- रावत सा. लाडपुरा खातेदार	346	0.14	बारानी 2
	2. दुर्गा पुत्री विजयसिंह हिस्सा- 1/16 जाति- रावत सा. देह खातेदार			
	3. पूजा पुत्री सज्जन सिंह हिस्सा- 1/48 जाति- रावत सा. देह खातेदार			
	4. रतनसिंह पुत्र बीरमसिंह हिस्सा- 419/2000 जाति- रावत सा. देह खातेदार			
	5. लक्ष्मण पुत्र विजयसिंह हिस्सा- 1/16 जाति- रावत सा. देह खातेदार			
	6. विमला पुत्री विजयसिंह हिस्सा- 1/16 जाति- रावत सा. देह खातेदार			
	7. शंकर सिंह पुत्र विजयसिंह हिस्सा- 1/16 जाति- रावत सा. देह खातेदार			
	8. शालिनी पुत्री सज्जन सिंह हिस्सा- 1/48 जाति- रावत सा. देह खातेदार			
	9. सज्जन सिंह पुत्र भंवरसिंह हिस्सा- 1/48 जाति- रावत सा. देह खातेदार			
	10. सुमेर सिंह पुत्र विजयसिंह हिस्सा- 1/16 जाति- रावत सा. देह खातेदार			
	11. सीता पुत्री विजयसिंह हिस्सा- 1/16 जाति- रावत सा. देह खातेदार			
	12. सीतारामसिंह पुत्र मांगूसिंह हिस्सा- 291/2000 जाति- रावत सा. मुहामी खातेदार			
	13. सोहिनी पुत्री विजयसिंह हिस्सा- 1/16 जाति- रावत सा. देह खातेदार,			

33	1. अनुपमामाहेश्वरी पत्नि सत्यनारायणमाहेश्वरी हिस्सा- 32/105 जाति- महेश्वरी सा. .घूघरा खातेदार	326/1440	0.21	बारानी 3
	2. अनुरागसिहं पुत्र त्रिलोचनसिंह हिस्सा- 367/2100 जाति- सिक्ख सा. नि.9/108 शोभराज होटल के पास गंज अजमेर खातेदार			
	3. कमलसिंहसोनवाल पुत्र नानगसिंहसोनवाल हिस्सा- 13/140 जाति- कोली सा. नि.123/42 गुरूकृपा सुरभि विहार धोलाभाटा अजमेर खातेदार			
	4. गीतारावत पत्नि नरेन्द्रसिंहरावत हिस्सा- 53/700 जाति- रावत सा. नि.158/50 रावत भवन झाला साहब के पास वाली गली पुलिस लाईन चौराहा अजमेर खातेदार			
	5. दीप्तिखंडूजा पुत्री त्रिलोचनसिंहखंडूजा हिस्सा- 3/350 जाति- सिक्ख सा. नि. 9/108 शोभराज होटल के पास गंज अजमेर खातेदार			
	6. भगवानवैष्णव पुत्र सुवालालवैष्णव हिस्सा- 167/2100 जाति- वैष्णव सा. नि. 34 रामदेवजी का चौक ग्राम छातडी तहसील व जिला अजमेर खातेदार			
	7. मधुलतासोनवाल पत्नि कमलसिंहसोनवाल हिस्सा- 47/350 जाति- कोली सा. नि.123/42 गुरू कृपा सुरभी विहार धोलाभाटा अजमेर खातेदार			
	8. रेखा पत्नि सुरेशसैन हिस्सा- 9/140 जाति- सैन सा. नि. रामदेवजी का चौक ग्राम छातडी तहसील व जिला अजमेर खातेदार			
	9. रेखापाण्डे पत्नि सुभाषपाण्डे हिस्सा- 1/20 जाति- ब्राह्मण सा. नि.लोहाखान पुलिस लाईन अजमेर खातेदार			
	10. रामवती पत्नि हरकिशनमीणा हिस्सा- 8/525 जाति- मीणा सा. नि.कल्याणपुरा तहसील राजगढ जिला अलवर हाल अलवरगेट अजमेर खातेदार,			

उक्त सभी क्षेत्र ग्राम कांकरदा भुणाबाय, तहसील अजमेर, जिला अजमेर मे स्थित भूमि या उसके भाग का गैर -कृषिक आवासीय प्रयोजनो के लिये उपयोग किया जा रहा है/किया गया है और इसलिए उक्त भूमि या उसके भाग मे व्यक्तियों के अधिकार/हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क की उप धारा (8) के अधीन पर्यवसित किये जाने के दायी है।

अतः उक्त भूमि मे हित रखने वाले प्रत्यैक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिन के भीतर-भीतर कारण बताये कि क्यों ना उक्त भूमि पर उसके अधिकारों और हित को पर्यवसित कर दिया जाये और इसलिये क्यों ना भूमि को राज्य सरकार में समस्त विल्लंगमों से मुक्त निहित किया जा सके।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मोहर के अधीन 2023 (वर्ष) के 09 (मास) के 19 वें दिन की जारी की जाती है।

दिनांकः 19.09.2023
स्थानः अजमेर

(महावीर सिंह)
प्राधिकृत अधिकारी एवं उपायुक्त उत्तर
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

निश्चित रूप से हम जीत के दावेदार हैं। टीम वास्तव में दमदार दिख रही है। यह वही टीम है जिसने थॉमस कप जीता था, इसलिए हम विश्व चैंपियन के रूप में जा रहे हैं।

- लक्ष्य सेन

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी, एशियाई खेलों को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जो रूट

भारत में अगले महीने से शुरू होने वाले वनडे विश्वकप से पूर्व फॉर्म में लौटने की कवायद मे इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट बुधवार को यहां आयरलैंड के खिलाफ होने वाले पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में खेलेंगे। इंग्लैंड ने आयरलैंड के खिलाफ जॉक क्राउली की अगुवाई में पहले जिस 13 सदस्यीय टीम का चयन किया था उसमें विश्व कप के लिए चुनी गई टीम का कोई खिलाड़ी शामिल नहीं था, लेकिन रूट ने पहले वनडे में खेलने की इच्छा जताई जिसके बाद उन्हें हैरी ब्रुक की जगह टीम में शामिल किया गया।

क्या आप जानते हैं ?... 1950 के विश्व कप फुटबॉल के मेजबान ब्राजील की फाइनल में उरुग्वे की हार से आयोजक इतने निराश हुए कि वे विजेता उरुग्वे को विजयी ट्रॉफी देना तक भूल गये।

बीसीसीआई ने दिया रजनीकांत को गोल्डन टिकट

नयी दिल्ली 19 सितंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को दक्षिण भारतीय फिल्मो के सुपर स्टार राजनीकांत को आगामी क्रिकेट विश्व कप का गोल्डन टिकट दिया है। बीसीसीआई बोर्ड के सचिव जयशाह ने आज भाषा और संस्कृति से परे जाकर लाखों लोगों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ने वाले महान अभिनेता रजनीकांत को गोल्डन टिकट प्रदान किया। बीसीसीआई ने एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने रजनीकांत को गोल्डन टिकट देकर सम्मानित किया।

इस महान अभिनेता ने करोड़ों दिलों की धड़कन पर अपनी छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अभिनेता हमारे प्रतिष्ठित अतिथि के रूप में आईसीसी क्रिकेट विश्वकप 2023 की शोभा बढ़ाएंगे और अपनी उपस्थिति से इस सबसे बड़े क्रिकेट आयोजन की चमक बढ़ाये। उल्लेखनीय है कि भारत में होने वाले क्रिकेट विश्व कप में बीसीसीआई ने कुछ नामचीन हस्तियों को आमंत्रित करने का काम किया। 'गोल्डन टिकट फॉर इंडिया आइकॉन्स' नाम से आयोजित इस मुहिम के तहत कुछ सेलिब्रेटी और पूर्व क्रिकेटरों को बीसीसीआई की ओर से विश्व कप मैच देखने के लिए गोल्डन टिकट दिया जा रहा है। बीसीसीआई ने अमिताभ बच्चन-सचिन तेंदुलकर गोल्डन टिकट देकर विश्वकप मैच देखने के लिए आमंत्रित किया गया है। वहीं इस लिस्ट में अब एक और सुपरस्टार रजनीकांत भी बीसीसीआई की सूची में शामिल हो गये है।

चेन्नईयिन एफसी ने लजार सिर्कोविच के साथ किया अनुबंध

चेन्नई, 19 सितंबर। चेन्नईयिन फुटबॉल क्लब (एफसी) ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 सीजन से पहले सर्बियाई डिफेंडर लज़ार सिर्कोविच के साथ अनुबंध कर अपनी रक्षा पंक्ति को मजबूत किया। इंडियन सुपर लीग सीजन से पहले क्लब में अनुबंध कर शामिल किये जाने वाले सर्बियाई डिफेंडर पांचवें विदेशी खिलाड़ी है। चेन्नईयिन के मुख्य कोच ओवेन कॉयले ने क्लब की मीडिया टीम को बताया, हमें लजार सिर्कोविच को क्लब में लाकर बहुत खुशी हो रही है। हमने उसको अपने साथ लाने के लिए काफी मशक्कत की। कई क्लबों ने उसमें बहुत रुचि दिखाई थी क्योंकि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है। सिर्कोविच ने 2022-23 सीज़न में हंगेरियन फर्स्ट डिवीजन में 17 मुकाबले खेले। उन्होंने एफके रेड, एफके पार्टिज़न बेलग्रेड और किस्वर्डा एफसी के लिए 146 मुकाबले खेले हैं। सिर्कोविच ने कहा, मैं भारतीय चुनौती के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं मैदान पर उतरने और अपनी नयी टीम के साथियों और प्रशंसकों के लिए मुकाबले का इंतजार नहीं कर सकता। जल्द ही मिलते हैं, चेन्नई। उल्लेखनीय है कि चेन्नईयिन फुटबॉल क्लब इस समय आईएसएल 2023-24 सीज़न की तैयारी कर रहा है। उसे शनिवार को भुवनेश्वर में ओडिशा फुटबॉल क्लब के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करनी है।

एशियाई खेल : फुटबॉल में चीन ने भारत को 5-1 से हराया

हांगझोऊ 19 सितंबर। एशियाई खेल 2022 में फुटबॉल के ग्रुप ए के मैच में मंगलवार को भारत ने मेज़बान चीन के हाथो से 5-1 से हार के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। गाओ तियानयी ने 17वें मिनट में चीन के लिए गोल किया जबकि राहुल केपी ने पहले हाफ के अंतिम मिनटों में भारत के लिए गोल की बराबरी की। दूसरे हाफ में चीन ने 51वें मिनट में दाई वेइजुन के जरिए अपनी बढ़त हासिल की। इसके बाद कियांगलोंग ताओ (72, 75) ने गोल किए और हाओ फैंग (92) ने अंतिम मिनटों में टीम के लिए पांचवां गोल किया। पहले गेम में इस बड़ी हार के चलते भारतीय फुटबॉल टीम को अगले राउंड में जगह बनाने के लिए अगले दो मैचों में बांग्लादेश और म्यांमार के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करनी होगी।

छह सर्वश्रेष्ठ उपविजेताओं में से तीन के साथ केवल ग्रुप विजेता ही क्वार्टर-फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगे। एशियाई खेलों में बिना किसी प्रशिक्षण शिविर के खेलने आई भारतीय फुटबॉल टीम मैच की शुरुआत में ही डगमगा गई और चीन ने लगातार अटैक करना जारी रखा। मिडफील्ड से भारत का नेतृत्व कर रहे सुनील छेत्री ने जगह बनाई और 14वें मिनट में भारत को लगभग बढ़त दिला दी, लेकिन 25 गज की दूरी से मारा गया लम्बा शॉट बाहर चला गया। वहीं, चीन ने पलटवार करते हुए इसके ठीक तीन मिनट बाद पहला गोल कर दिया।

भारतीय हॉकी टीम को रहेगी विश्व नंबर 1 बनने की तलाश

हांगझाऊ, 19 सितंबर। ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने से लेकर विश्व कप हासिल करने तक पिछली एक सदी के दौरान अधिकांश समय हॉकी के शिखर पर रहने के बावजूद भारतीय टीम की विश्व की नंबर एक टीम बनने की हसरत फिलहाल पूरी नहीं हो सकी है।

एक जमाने में हॉकी में भारत का डंका बजता था और उसके सामने प्रतिद्वंदी टीम का टिक पाना बेहद मुश्किल समझा जाता था मगर समय के साथ पश्चिम के देशों ने भी हाकी में खुद को स्थापित किया। इस बीच रैंकिंग प्रणाली 2003 में अस्तित्व में आयी। नई रैंकिंग प्रणाली लागू होने के बाद से पिछले कुछ वर्षों में भारतीय हॉकी टीम की रैंकिंग में उतार-चढ़ाव आया है। 2003 में हॉकी रैंकिंग प्रणाली शुरू होने पर पुरुष टीम छठे स्थान पर थी। उसी साल भारत ने चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर पहली बार एशिया कप जीता।

लेकिन जल्द ही भारत की फॉर्म में गिरावट आई और वे टूर्नामेंट से शुरू में ही बाहर हो गए। भारतीय टीम 2005 में आठ देशों की राबो ट्रॉफी में सातवें स्थान पर खिसक गयी जबकि 2005 में ही चैंपियंस ट्रॉफी में भी आखिरी स्थान पर रही। टूर्नामेंट जीतने के लिए संघर्ष कर रही भारतीय टीम ने इसके बावजूद शीर्ष 10 में अपना स्थान बनाए रखा क्योंकि हॉकी रैंकिंग प्रणाली चार साल के चक्र के परिणामों पर विचार करती थी। 2007 चैंपियंस चैलेंज में कांस्य पदक से भी भारत को मदद मिली मगर भारतीय हॉकी की फॉर्म में गिरावट जल्द ही रैंकिंग में दिखाई देने लगी।

भारतीय टीम 2006 हॉकी विश्व कप में अपने सात में से पांच मैच हार गई और टूर्नामेंट में 11वें स्थान पर रही। टीम 80 वर्षों में पहली बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही और बीजिंग 2008 में उसे बाहर रहना पड़ा।

निराशाजनक प्रदर्शन के कारण भारत 2008 में पहली बार हॉकी रैंकिंग के शीर्ष 10 से बाहर हो गया। पूर्व विश्व चैंपियन भारत ने 2010 में विश्व कप की मेजबानी की थी लेकिन पूल चरण में केवल एक बार जीत हासिल की और आठवें स्थान पर जगह बनायर। इससे भारत 12वें स्थान पर खिसक गया, जो अब तक की उनकी सबसे खराब हॉकी रैंक है।

अगले दशक में भारत के प्रदर्शन में धीरे-धीरे सुधार देखा गया। भारत ने 2014 एशियाई खेलों और 2017 एशिया कप के साथ-साथ चार बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (2011, 2016 और 2018) जीती। भारत चैंपियंस ट्रॉफी, कॉमनवेल्थ गेम्स और हॉकी वर्ल्ड लीग में भी पदक विजेता रहा। हॉकी रैंकिंग में लगातार सुधार दिखाई दिया और 2020 में जब पुरानी रैंकिंग प्रणाली को बदला गया तो भारत पांचवें स्थान पर पहुंच गया।

टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद 2021 में भारतीय पुरुष हाकी टीम अपनी सर्वोच्च रैंकिंग 'तीन' पर पहुंच गयी। यह 41 वर्षों में उनका पहला ओलंपिक पदक था। तब से, भारतीय टीम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2021, एफआईएच प्रो लीग 2021-22 और एशिया कप 2022 में तीसरे स्थान पर रहे। बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेल 2022 में उन्होंने रजत पदक जीता और फिर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब दोबारा हासिल करने में सफल रहे। 2023 में टीम वर्तमान में विश्व में तीसरे स्थान पर है।

एशियाई खेल में भाग लेने भारतीय पुरुष हॉकी टीम हांगझाऊ रवाना

बेंगलुरु, 19 सितंबर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 19वें एशियाई खेल हांगझाऊ 2022 में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को बेंगलुरु हवाई अड्डे से हांगझाऊ के लिए रवाना हो गई। भारतीय टीम 24 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ इस प्रतियोगिता में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। भारत को पूल ए में पाकिस्तान, जापान, बांग्लादेश, सिंगापुर और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। पूल बी में कोरिया, मलेशिया, चीन, ओमान, थाईलैंड और इंडोनेशिया शामिल हैं।

प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। करिश्माई डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह को एक बार फिर टीम का नेतृत्व करेंगे, जबकि हार्दिक उनके डिप्टी होंगे। हरमनप्रीत ने कहा टीम 19वें एशियाई खेलों हांगझाऊ 2022 के लिए कड़ी तैयारी कर रही है। हमने हाल ही में संपन्न एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 में अच्छा प्रदर्शन किया है, इसलिए लक्ष्य प्रदर्शन के उस स्तर को बनाए रखना है। हमारे पूल में कुछ कठिन प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन हमें अपनी तैयारी पर भरोसा है और उम्मीद है कि हम पोडियम पर पहुंचेंगे। टीम में गोलकीपर पीआर श्रीजेश और कृष्ण पाठक शामिल हैं जबकि डिफेंडर की जिम्मेदारी वरुण कुमार, अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह और संजय के हाथों में होगी। मिडफील्ड की कमान नीलकंठ शर्मा, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, सुमित और शमशेर सिंह द्वारा संभाली जाएगी, जबकि आक्रमण का नेतृत्व अभिषेक, गुरजंत सिंह, मंदीप सिंह, सुखजीत सिंह और ललित कुमार उपाध्याय करेंगे।

हांगझाऊ रवाना होने से पहले, उप कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा टूर्नामेंट की अगुवाई में हमने कुछ कठिन अभ्यास सत्र किए हैं और शिविर में हर कोई एक ही लक्ष्य की ओर ध्यान केंद्रित करके काम कर रहा है। हम हांगझाऊ की यात्रा करने के लिए सर्वोत्तम मानसिक और शारीरिक स्थिति में हैं, और हम अपने ग्रुप में कड़ी प्रतिस्पर्धा की उम्मीद कर रहे हैं। भारत 24 सितंबर को उज्बेकिस्तान से भिड़ेगा जबकि 26, 28 और 30 सितंबर को उसका मुकाबला क्रमशः सिंगापुर, जापान और पाकिस्तान से होगा। टीम अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मैच दो अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का कार्यक्रम : 24 सितंबर 2023 को, भारत बनाम उज्बेकिस्तान, 0845 बजे भारतीय समयानुसार, 26 सितंबर 2023 को, भारत बनाम सिंगापुर, 0630 बजे भारतीय समयानुसार, 28 सितंबर 2023 को, भारत बनाम जापान, 1815 बजे भारतीय समयानुसार, 30 सितंबर 2023 को, भारत बनाम पाकिस्तान, 1815 बजे भारतीय समयानुसार, 2 अक्टूबर 2023 को, भारत बनाम बांग्लादेश, 1315 बजे भारतीय समयानुसार, मैचों का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा।

ससेक्स के कप्तान पुजारा एक काउंटी मैच से निलंबित

होव (इंग्लैंड), 19 सितंबर। भारत के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा को एक काउंटी मैच से निलंबित कर दिया गया है, क्योंकि उनकी टीम ससेक्स पर काउंटी चैंपियनशिप में लीस्टरशर के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन के लिए 12 अंकों का जुर्माना लगाया गया। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार ससेक्स के इस सत्र में चार निश्चित पेनल्टी की सीमा तक पहुंचने के कारण कप्तान के नाते पुजारा स्वतः ही निलंबित हो गए। इस तरह से वह डर्बीशर के खिलाफ इस सप्ताह होने वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे। ससेक्स ने तीन खिलाड़ियों जैक कार्सन, टॉम हैन्स और एरी कारवेलस को उनके खराब व्यवहार के कारण टीम से बाहर करने का फैसला किया है। ससेक्स के मुख्य कोच पॉल फारब्रेस ने कहा इन खिलाड़ियों के व्यवहार के कारण टीम की पिछले सप्ताह लीस्टरशर के खिलाफ दर्ज की गई 15 रन की जीत का रंग फीका पड़ गया और टीम को अगले मैच से पुजारा की सेवाओं से वंचित कर दिया। उन्होंने कहा," इन खिलाड़ियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना आवश्यक था। अनुशासन हीनता किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसका खामियाजा हमें अगले मैच में चेतेश्वर की अनुपस्थिति के रूप में भुगतना पड़ेगा और इससे हमें 12 अंकों का नुकसान भी हुआ।

आईएसएसएफ विश्व कप 2023 में भारत ने जीता दूसरा पदक

रियो डी जनेरियो 19 सितंबर। भारत की निश्चल ने सोमवार को ब्राजील के रियो डी जनेरियो में आईएसएसएफ विश्व कप 2023 में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में रजत पदक जीता। आईएसएसएफ विश्व कप के अंतिम दिन 19 वर्षीय भारतीय निशानेबाज के पोडियम फिनिश के साथ भारत के पदकों की संख्या दो हो गई। इससे पहले इलावेनिल वलारिवन ने शनिवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। रियो में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप में कुल 16 भारतीय निशानेबाजों ने हिस्सा लिया था। हालांकि, एशियाई खेल में भाग लेने वाले भारत के निशानेबाजों ने इस मीट में हिस्सा नहीं लिया। भारत के 2018 एशियाई खेलों के चैंपियन सौरभ चौधरी गुरुवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहे। इस साल की शुरुआत में बाकू में सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप में डेब्यू करने वाली निश्चल ने रियो में फाइनल में नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग पोजीशन में 458.0 का स्कोर बनाया और नॉर्वे की जेनेट हेग डुएस्टैड से पीछे रहीं, जिन्होंने 461.5 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। जेनेट हेग डुएस्टैड तीन बार की विश्व चैंपियन और ओलंपियन हैं। डेनमार्क की स्टेफ़नी ग्रंडसो ने 447.6 अंकों के साथ रियो में कांस्य पदक जीता। निश्चल ने अपने दिन की शुरुआत एलिमिनेशन राउंड में 587 स्कोर के साथ की। फाइनल के लिए क्वालिफिकेशन राउंड में, निश्चल ने 592 का स्कोर बनाकर अंजुम मौदगिल के पिछले साल प्रेसिडेंट कप में बनाए गए 591 के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वह मौजूदा विश्व चैंपियन पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की मियाओ वानरू के बाद दूसरे स्थान पर रहीं, जिन्होंने क्वालीफायर में 594 अंक हासिल किए लेकिन फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं।

राजधानी

गणेश चतुर्थी पर छोटीकाशी में गूंजा "गणपति बप्पा मोरिया..."

जयपुर। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी मंगलवार को विभिन्न शुभ योग-संयोग में गणेश चतुर्थी के रूप में भक्तिभाव से मनाई गई। सुबह से देर रात तक छोटीकाशी प्रथम पूज्य की आराधना में लीन रही। श्रद्धालुओं ने गणेश मंदिरों में दर्शन किए।

मंदिरों के अलावा घरों में भी विघ्नहर्ता-मंगलकर्ता की पूजा-अर्चना कर गुड़ धानी का भोग लगाया गया। तीन सौ साल बाद ब्रह्म योग, शुक्ल योग और शुभ योग में गणपति के जन्मोत्सव का उत्साह देखते ही बनता था। घर के प्रवेश द्वार पर स्थापित द्वारपाल गणेश जी का गंगा जल से अभिषेक कर सिंदूरी चोला धारण कराया गया। रोली, मोली, चावल, रक्षा अर्पित कर अगल-बगल में डंके रखे गए। गुड़धानी का भोग लगाकर परिवार के सभी सदस्यों ने लंबोदर की आरती उतारी। चांदपोल, सूरजपोल, न्यूगेट, अजमेरी गेट, सांगानेरी गेट, घाटगेट पर स्थापित गणेशजी का नगर निगम और सामाजिक संस्थाओं की ओर से पूजन किया गया।

- **गढ़ गणेश और मोतीडूंगरी मंदिर में दिखा आस्था का ज्वार**
- **मोतीडूंगरी मंदिर से आज नगर भ्रमण पर निकलेंगे गणपति**

गणपति पर गढ़ गणेश मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। दर्शनों के लिए श्रद्धालु 365 सीढ़ियां चढक़र प्रथम पूज्य के दर्शन करने पहुंचे। महंत प्रदीप औदीच्य के सान्निध्य में सुबह चार बजे पंचामृत गणपति का जन्माभिषेक किया गया। पल्लव, पुष्प और माला से गणपति का श्रृंगार किया गया। सुबह पांच बजे मंगला आरती के साथ सहस्त्र दूर्वाचन और सहस्त्र मोदक अर्पित किए गए। सहस्त्र नामावली से हवन किया गया। रात्रि 12 बजे शयन आरती हुई।

उधर मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में सुबह 4 बजे से ही दर्शनार्थियों का तांता लग गया जो कि देर रात तक जारी रहा। हजारों की संख्या में श्रद्धालु देर रात घरों से पदयात्रा के रूप में रवाना होकर सुबह चार बजे मंगला झांकी में दर्शन करने पहुंचे। सवा ग्यारह बजे गणेशजी का विशेष पूजन कर साढ़े ग्यारह बजे श्रृंगार आरती की गई। दोपहर सवा दो बजे भोग आरती हुई। शाम सात बजे संध्या आरती के समय सर्वाधिक श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। श्रद्धालुओं की कतारे जेडीए, रिजर्व बैंक और त्रिमूर्ति सर्किल तक पहुंच गई। महिलाओं और पुरूषों के लिए अलग-अलग कतारों की व्यवस्था की गई।

खास बात यह रही कि कि किसी भी कतार में प्रवेश करने के बावजूद भक्तों को गणेशजी के दर्शन ठीक सामने से हुए। गणेशजी के जयकारों और घंटों की आवाज से मंदिर दिरभर गूंजायमान रहा।

मंदिर महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि गणेश चतुर्थी पर भगवान श्री गणेश जी महाराज स्वर्ण मुकुट धारण कर चांदी के सिंहासन पर विराजमान रहे। नोलडी का नोलखा हार का पारंपरिक श्रृंगार आकर्षण का केन्द्र रहा।

श्री गणेश मंदिर मोती डूंगरी की ओर से बुधवार को भगवान श्री गणेशजी की शोभायात्रा निकाली जाएगी। दर्जनों झांकियों के साथ शोभायात्रा मोती डूंगरी गणेशजी से रवाना होकर मोतीडूंगरी रोड, जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार, ब्रह्मपुरी होती हुइ श्री गढ़ मंदिर के नीचे वाले चौक तक जाएगी। जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया जाएगा।

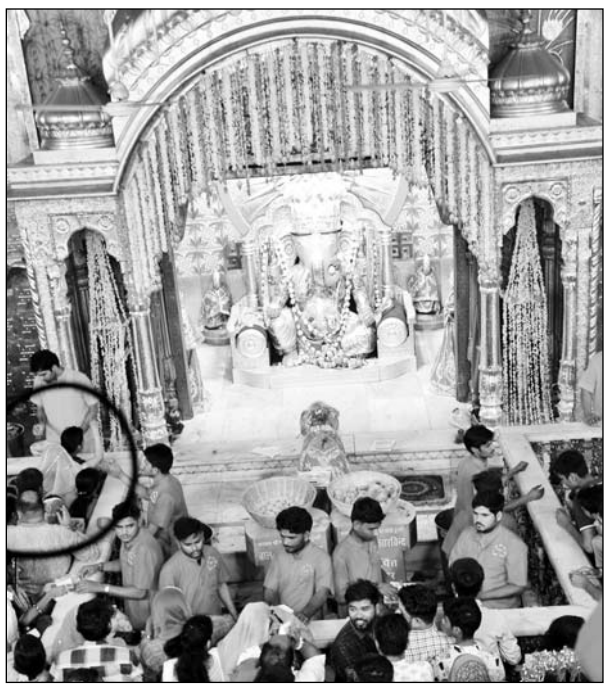

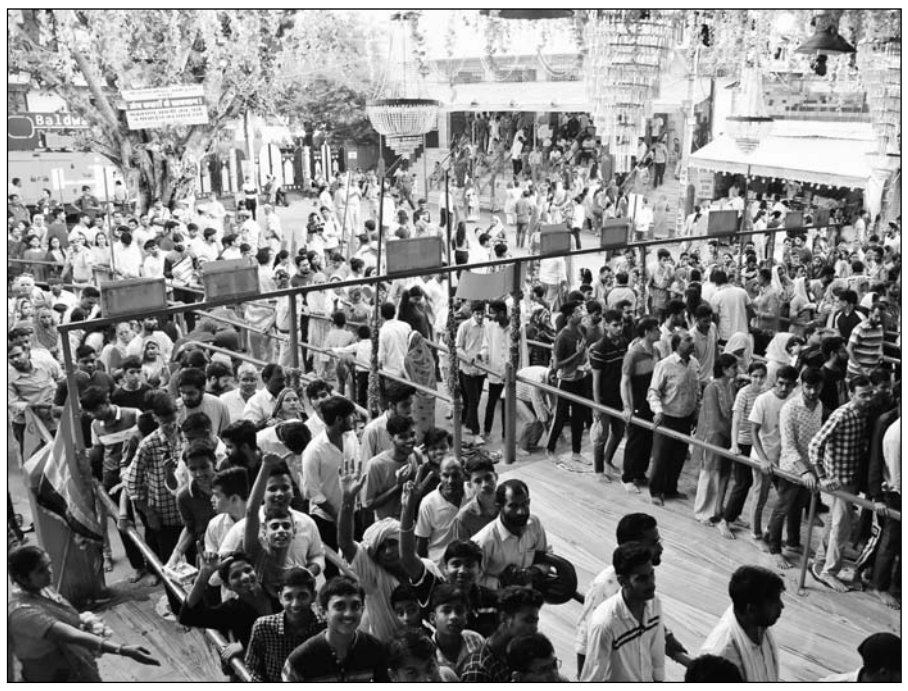

गणेश चतुर्थी के अवसर पर जयपुर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की मंगलवार को पूरे दिन कतारें लगी रहीं।

'1100 कॉलोनियों तक जल्दी पहुंचेगा बीसलपुर का पानी'

जयपुर (कासं)। बीसलपुर पृथ्वीराज नगर पेयजल परियोजना फेज-प्रथम का काम दिसंबर माह तक पूरा होगा। इससे जयपुर की करीब 1100 कॉलोनियों तक बीसलपुर का पानी पहुंचेगा। मजेदार बात यह है कि प्रोजेक्ट का काम पूरा होने में अभी 3 माह बाकी है, लेकिन जलदाय मंत्री महेश जोशी ने मंगलवार को आनन-फानन में रंगोली गार्डन क्षेत्र में पेयजल वितरण पार्ट का लोकार्पण कर दिया। इस दौरान कृषि मंत्री व झोटवाड़ा विधायक लालचंद कटारिया के साथ महेश जोशी ने पंप हाउस से पानी चलाकर रंगोली गार्डन वितरण क्षेत्र की 53 कॉलोनियों को पेयजल आपूर्ति की शुरूआत भी की।

मंत्री डॉ. महेश जोशी ने कहा कि परियोजना का प्रथम चरण दिसम्बर तक पूरा होने के साथ ही पृथ्वीराज नगर की 1100 कॉलोनियों को बीसलपुर का पानी मिलने लगेगा। 747 करोड रूपए की लागत के बीसलपुर पृथ्वीराज नगर पेयजल परियोजना फेज-द्वितीय में भी पृथ्वीराज नगर एवं आसपास की करीब 2200 कॉलोनियों में बीसलपुर का पानी पहुंचेगा। परियोजना के फेज-प्रथम में तहत 563.93 करोड़ रूपए की लागत से बालावाला से लोहामंडी तक 44 किलोमीटर लम्बी टांसमिशन मेन लाइन, 51 किलोमीटर की राइजिंग मेन लाइन, करीब 970 किलोमीटर की डिस्ट्रीब्यूशन मेन लाइन और साथ ही, 9 स्वच्छ जलाशय मय पंप हाउस तथा 19 उच्च जलाशय के कार्य शामिल हैं।

कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने पृथ्वीराज नगर की जनता को बीसलपुर का पानी पिलाने का वादा पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार जताया। मुख्य अभियंता (शहरी), पीएचईडी के.डी. गुप्ता ने बताया कि परियोजना के प्रथम चरण का 85 फीसदी कार्य पूर्ण हो चुका है जिसमें 15 उच्च जलाशय तथा 7 स्वच्छ जलाशय के साथ ही 95 फीसदी पाइप लाइन बिछाने का काम हो गया है। कार्यक्रम में जमवारामगढ़ विधायक गोपाल मीणा, झोटवाड़ा पंचायत समिति प्रधान रामनारायण, जोबनेर प्रधान शैतान सिंह मौजूद थे।

एल.डी.सी. भर्ती में पुनः वरीयता सूची बनाने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने हाईकोर्ट एलडीसी भर्ती-2022 के मामले में हाईकोर्ट प्रशासन को आदेश दिए हैं कि आरक्षित वर्ग के जिन अभ्यर्थियों ने सामान्य श्रेणी से अधिक अंक हासिल किए हैं और विशेष लाभ नहीं लिए हैं, उन्हें सामान्य श्रेणी में मानते हुए वर्गवार पुनः लिस्ट बनाए। वहीं इस सूची में आने वाले अभ्यर्थियों के लिए टाइप टेस्ट आयोजित करें। ऐसा करने के बाद यदि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी सामान्य वर्ग या अपने वर्ग की मेरिट लिस्ट में आते हैं तो उन्हें नियुक्ति दी जाए। इस दौरान यदि पूर्व में नियुक्ति पाने वाले सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी कट ऑफ लिस्ट में शामिल नहीं होते हैं और खाली पद उपलब्ध नहीं हो तो ऐसे अभ्यर्थियों की सेवाएं समाप्त कर दी जाए। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश महिपाल यादव व एक हजार से अधिक याचिकाकर्ताओं की पचास से अधिक याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने गणेश चतुर्थी के मौके पर सुबह मोती डूंगरी गणेश मंदिर में पूजा -अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस मौके पर पायलट ने संसद में महिला आरक्षण विधेयक पेश किये जाने पर भी संतोष प्रकट किया और कहा कि, समाज में महिलाओं के उत्थान के लिए यह बहुत ही जरुरी कदम है।

'देश की प्रगति के लिए बड़े कैनवास पर काम करने की जरूरत'

प्र.मंत्री मोदी ने नये संसद भवन में कार्यवाही शुरु होने से पहले पुराने संसद भवन में दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित किया

- **प्रधानमंत्री मोदी ने पुराने संसद भवन का नाम ''संविधान सदन'' रखने का प्रस्ताव किया और समारोह में मौजूद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला तथा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से इस प्रस्ताव कार्यवाही करने का भी अनुरोध किया।**

नयी दिल्ली, 19 सितम्बर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि, संसद को अमृत काल के अगले 25 वर्ष में बड़े कैनवास पर मिलकर काम करना है और जनता की आकांक्षाओं के अनुसार नीतियों और कार्यक्रमों में सुधार लाकर देश की सर्वांगीण प्रगति को गति देनी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए कि हम लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने वाले नये कानून बनाएं और पुराने पड़ चुके कानूनों को समाप्त करें। उन्होंने कहा कि भारत इस समय दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रहा है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की कगार पर है। पूरी दुनिया हमें अपेक्षा से देख रही है। उनका कहना था कि असंतुलित विकास समृद्धि नहीं दे सकता इसलिए सर्वांगीण विकास की दिशा में एकजुटता के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है।

मोदी ने मंगलवार को नये संसद भवन में कार्यवाही शुरु होने से पहले पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित दोनों सदनों के विशेष संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए पुराने संसद भवन का नाम 'संविधान सदन' रखने का प्रस्ताव किया और समारोह में मौजूद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला तथा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से इस प्रस्ताव कार्यवाही करने का भी अनुरोध किया।

उन्होंने कहा, ''आज हम यहां से विदा लेकर संसद के नए भवन में बैठने वाले हैं और ये बहुत शुभ है कि गणेश चतुर्थी के दिन वहां बैठ रहे हैं। हम सब भाग्यवान है कि आज भारत उम्मीदों की उस ऊंचाई पर है जो शायद पिछले एक हजार साल में भी नहीं रही होगी। हम यहां से उठकर एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प और निश्चय के साथ नये संसद भवन में जा रहे हैं। यह क्षण भावुकता है लेकिन कर्तव्य पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी करता है। संविधान सदन हमें दिशा देता रहेगा और हमें याद दिलाता रहेगा उन महान विभूतियों की जो संविधानसभा के सदस्य थे और जिन्होंने हमारा संविधान गढकर हमें दिया।

मोदी ने कहा समय की मांग है कि आत्म निर्भर भारत के संकल्प पूरा करना है उसमें दल आड़े नहीं आते हैं इसके लिए सिर्फ दिल चाहिए और वह दिल सिर्फ देश के लिए चाहिए। हमें प्रत्येक भारतीय की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर सुधार करने होंगे। निर्णय करते समय लोगों की आकांक्षा हमारी सोच में सबसे ऊपर होनी चाहिए। हमें अमृतकाल में आत्मनिर्भर भारत बनाना है। नयी उम्मीदों के बीच संसद का यह सर्वोच्च दायित्व है कि वह जनआकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नये कानून बनाए और पुराने पड़ चुके कानूनों को निरसन करे।

प्रधानमंत्री ने कहा भारत आज विश्वमित्र के रूप में उभर रहा है। जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत ग्लोबल साउथ (गरीब और विकासशील देशों) की आवाज बना। भारत नई ऊर्जा से भरा हुआ है। हमारी आर्थिक वृद्धि की रफ्तार अच्छी है। पूरी दुनिया मानती है कि हम जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने जा रहे हैं और दुनिया हमारी ओर उम्मीद की नजर लगाए है। संसद का केंद्रीय कक्ष हमें हमारे कर्तव्यों को पूरा करने कील प्रेरणा देता है। यह वही ऐतिहासिक स्थल है जहां हमारे संविधान ने मूर्तरूप ग्रहण किया। यही सदन है जहां अंग्रेजों ने सत्ता हमें सौंपी और इसी जगह संविधान सभा की बैठकें हुईं।

मोती डूंगरी गणेश मंदिर में पहुंचे पायलट, प्रदेश की समृद्धि की प्रार्थना की

महिला आरक्षण विधेयक पर पायलट ने कहा, यह तो कांग्रेस की पुरानी मांग है

- **पायलट ने कहा कि, बिल पेश तो हुआ, पर 2029 में ही लागू हो पाएगा, इससे लगता है सरकार की नीयत नहीं है इसके क्रियान्वयन की।**
- **पायलट ने कोटा में बच्चों के आत्महत्या के मामलों में निरंतर वृद्धि होने पर गंभीर चिंता जताई तथा काउन्सिलिंग पर जोर दिया।**

जयपुर 19 सितंबर । कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य सचिन पायलट ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर मोती डूंगरी स्थित गणेश मंदिर में पूजा अर्चना कर देश एवं प्रदेश की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

यहां सचिन पायलट ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि, संसद में महिला आरक्षण से जुड़ा बिल आया है। यह कांग्रेस की पुरानी मांग थी और अब बिल प्रस्तुत किया गया है। यह बिल पहले आना चाहिए था। अब बिल आ गया है, लेकिन अब सुनने में आया है कि यह लागू 2029 में होगा। सवाल इस बात का है कि, अभी क्यों नहीं ? इससे लगता है कि सरकार की नीयत और मंशा में फर्क हैं। अगर सभी दलों की सहमति है, तो फिर अभी क्यों लागू नहीं कर रहे हैं।

कोटा में बच्चों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्याओं के मामलों पर सचिन पायलट ने कहा, मैं खुद दुख प्रकट करता हूं। मुख्यमंत्री खुद कोटा गये थे और इस मसले पर बोले भी थे। मैं कहता हूं कि, काउन्सलिंग के साथ-साथ यह जांच भी जरूरी है कि, ये लगातार क्यों हो रहा है। यह इस प्रकार चलता रहा तो समाज के लिए अच्छी बात नहीं।

कांग्रेस की चुनावी तैयारी पर उन्होंने कहा कि, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे जयपुर आयेंगे और हमारी पार्टी के नए कार्यालय का शिलान्यास करेंगे। कुछ दिन पहले राहुल गांधी बांसवाड़ा आए थे। खड़गे भीलवाड़ा आए थे। प्रियंका गांधी टोंक आई थीं। अब दोनो नेता जयपुर आएंगे ,तो उनके आने से कार्यकताओं में उर्जा का संचार होगा। हमारी पार्टी ने चुनाव की तैयारी पूरी कर ली है और सभी सरकार को रिपीट कराना चाहते हैं।

लश्कर के दो आतंकी मारे गये

श्रीनगर, 19 सितंबर (वार्ता)। जम्मू कश्मीर में अनंतनाग जिले के गडोले कोकरनाग इलामें में जारी मुठभेड़ में मंगलवार को लश्कर-ए-तैयबा के एक कमांडर समेत दो आतंकवादी मारे गये। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विजय कुमार ने आज कोकरनाग में संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इलाके में दो से तीन आतंकवादियों के छिपे होने की खुफिया सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों और पुलिस ने गत बुधवार से संयुक्त अभियान छेड़ा था। दोनों पक्षों के बीच जारी मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये हैं। इनमें एक आतंकवादी का शव बरामद कर लिया गया है जिसकी पहचान लश्कर-ए-तैयबा कमांडर उजैर खान के रूप में की गयी है। कुमार ने बताया कि तलाश अभियान अभी जारी रहेगा। उन्होंने अभियान जारी रहने तक लोगों से इलाके में न जाने की सलाह दी है। मुठभेड़ की शुरुआत के दिन लापता पुलिस जवान प्रदीप का शव सोमवार को मिला था।

'जब महिलायें सियाचिन में तैनात हो सकती हैं तो है तो पुरुष नर्स क्यों नहीं बन सकते'

- **दिल्ली हाईकोर्ट ने सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता की वकालत करते हुए यह बड़ी टिप्पणी की।**

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता की वकालत करते हुए एक बड़ी टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि जब एक महिला अधिकारी को सियाचिन में तैनात किया जा सकता है तो एक पुरुष को सेना में नर्स के रूप में भी नियुक्त किया जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा एवं न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ सैन्य प्रतिष्ठानों में केवल महिला नर्सों को रखने की कथित असंवैधानिक प्रथा के बारे में एक याचिका पर सुनवाई कर रही है। इसके साथ ही विषय को महत्वपूर्ण बताते हुए पीठ ने याचिका को नवंबर में अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

केन्द्र का प्रतिनिधित्व कर रही अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि सेना में प्रथाएं लंबे समय से चली आ रही परंपराओं पर आधारित हैं। हालांकि, पीठ ने कहा कि सरकार अभी लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए एक कानून लेकर आई है। एक तरफ आप महिलाओं को सशक्त बनाने की बात कर रहे है और वहीं दूसरी तरफ आप कह रहे हैं कि पुरुष नर्स के रूप में शामिल नहीं हो सकते। अदालत ने कहा- यदि एक महिला (अधिकारी) को सियाचिन में तैनात किया जा सकता है तो एक पुरुष आर एंड आर (अस्पताल) में काम कर सकता है। पीठ ने यह भी कहा कि उच्चतम न्यायालय ने महिलाओं को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल होने की अनुमति दी है। उच्चतम न्यायालय ने बार-बार माना है कि कोई लैंगिक पूर्वाग्रह नहीं होना चाहिए।

पूर्व आईजी को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसे चुनौती देते हुए कहा गया कि, इतने सालों बाद चार्जशीट देना गलत है। रिटायर होने के बाद किसी गंभीर मामले में ही दंडित किया जा सकता है। जबकि याचिकाकर्ता को जिस मामले में दंडित किया गया है, वह ज्यादा गंभीर नहीं है। ऐसे में उन्हें रिटायर होने के बाद दंडित नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट में 24 साल चली इस याचिका के लंबित रहने के दौरान करीब 13 साल पहले रामानुज शर्मा का निधन हो गया। इस पर उनके उत्तराधिकारी ने याचिका को जारी रखा।

कैनडा के प्र.मंत्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धमकियाँ मिली हैं और जब अलगाववादियों ने बदले की धमकी देते हुए उनके फोटो और नाम पोस्टरों पर छापे तब उन्हें कैनडा से बाहर पदस्थापित किया गया। निज्झर के संरक्षक और एक अन्य घोषित आतंकवादी गुरपतवंत सिंह द्वारा प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और गृह मंत्री अमित शाह को धमकी देने वाले वीडियो भी सामने आए हैं, जबकि उसे कैनडा द्वारा सुरक्षा प्रदान की हुई है।

सूत्रों ने पूर्व में कैनडा को जारी की गई कई आपत्तियों की याद दिलाई, जिनमें चार वर्ष पूर्व किसान आंदोलन पर की गई ट्रूडो की टिप्पणी भी शामिल है, जिससे उत्साहित खालिस्तानी अलगाववादी कैनडा में भारतीय उच्चायोग के सामने एकत्रित हो गए थे और सुरक्षा का मुद्दा पैदा हो गया था। पिछले माह भारत ने सुझाव दिया था कि, भारतीय राजनयिकों और मिशनों की सुरक्षा को मिल रही धमकी की जांच के लिए एन.आई.ए. की टीम को भेजा जाय, मगर कैनडा ने इंकार कर दिया था। कैनडा में कथित तौर पर अवैध प्रवेश करने वाले निज्झर की 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरी स्थित एक गुरूद्वारे के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। भारत सरकार ने पहले ही उसे आतंकवादी घोषित कर दिया था।

इसके और व्यापक प्रभाव होने की संभावना है, जिसमें प्रतिष्ठा भी शामिल है और बाद का प्रभाव भारत के भीतर और बाहर एक सा नहीं होगा। सूत्रों ने कहा कि, ट्रूडो ने तभी भारत के विरूद्ध आक्रामक होने का मानस बना लिया था, जब उनके विशेष विमान में खराबी के कारण उन्हें भारत में रूके रहना पड़ा था। उस योजना के तहत उन्होंने अपने एन.एस.ए. जोडी थॉमस को लंदन भेजा, ब्रिटिश एन.एस.ए. को सारी सूचना देने के लिए, जबकि उन्होंने खुद फोन पर अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के नेताओं को इस घटनाक्रम की सूचना दी।

सूत्रों ने कहा, ''हम एक प्रजातंत्र हैं जो कानून के शासन के लिए प्रतिबद्ध है। इस तरह के निराधार आरोप खालिस्तानियों और आतंकवादियों से ध्यान हटाते हैं जिन्हें कैनडा में आश्रय दिया गया है और जो भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिए खतरा बने हुए हैं। इस मामले में कैनडा की सरकार की निष्क्रियता लंबे समय से और लगातार चिंता का विषय बनी हुई है।''

''कैनडा में हत्याएं, मानव तस्करी और संगठित अपराधों को जो जगह दी गई है वो कोई नई बात नहीं है। हम भारत सरकार को इन चीज़ों से जोड़ने के प्रयासों को खारिज करते हैं। हम कैनडा सरकार से निवेदन करते हैं कि, वह अपनी धरती पर भारत विरोधी कार्रवाई करने वाले सभी तत्वों के खिलाफ प्रभावी कानूनी कार्रवाई करे।'' ट्रूडो ने कहा, ''आज हमें इन आरोपों का पता चला कि, भारत सरकार के एजेंटों ने कैनडा के हारदीप सिंह निज्झर की कैनडा की धरती पर ही हत्या कर दी। सभी कैनडावासियों से मेरा वादा है कि मैं न्याय के लिए हरसंभव कोशिश करूंगा, नरेन्द्र मोदी को जिम्मेवार ठहराने सहित। कैनडा की धरती पर यहां के नागरिक की हत्या में किसी विदेशी सरकार का हाथ होना स्वीकार्य नहीं है और यह हमारी संप्रभुता का उल्लंघन है। यह उन आधारभूत नियमों के विरूद्ध है जिनसे आजाद, खुले और जनतांत्रिक समाज व्यवहार करते हैं।''

जब कैनडा के प्रधानमंत्री ने हरदीप सिंह निज्झर की हत्या के पीछे भारत का हाथ होने का आरोप लगाया उसके तुरंत बाद अमेरिका ने कहा कि वह इन आरोपों को लेकर बहुत चिंतित है। यह बात राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रियन वॉटसन ने एक ई-मेल पर कही। उन्होंने कहा, ''यह महत्वपूर्ण है कि, कैनडा की जांच आगे बढ़े और दोषियों को सजा मिले।'' भारत के पूर्व राजनयिक के.सी. सिंह ने दोनों देशों के बीच बिगड़ते संबंधों पर कहा कि, एक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक पर ऐसा आरोप लगाना दुर्लभ है। उन्होंने एक्स पर लिखा, ''जी 7 और नाटो के सदस्य द्वारा तो बिल्कुल नहीं। भारत को इसे आते हुए देख लेना चाहिए था। ट्रूडो को भारत यात्रा के दौरान नीचा दिखाने की बजाय उन्हें जोड़ना चाहिए था। अब स्थिति सुलझने के कगार से दूर जा चुकी है।

राउज़ एवेन्यु...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत ने प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह ने संजीवनी घोटाले में गहलोत की ओर से उनके खिलाफ बयानबाजी करने पर आपराधिक मानहानि का परिवाद पेश किया है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने गहलोत को समन जारी कर तलब किया था।

'सरकार ने पेट्रोल-डीज़ल पर वैट की कटौती करने के लिये कमेटी का गठन अभी तक नहीं किया'

पैट्रोलियम डीलर्स संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह भाटी ने सरकार की लेट लतीफी पर हैरानी जताई

-यादवेंद्र शर्मा-

- **पेट्रोलियम डीलर्स संघ के अध्यक्ष का कहना है कि, वह अपने ''शिड्यूल'' पर अडिग रहेंगे और 24 तारीख तक हड़ताल पुनः आरंभ नहीं करेंगे।**
- **संघ के अध्यक्ष ने कहा कि, इस बार 24 तारीख के बाद वह लोगों की मांग को देखते हुए ज्यादातर बड़े जिलों में हड़ताल शुरू करेंगे।**

जयपुर, 19 सितम्बर। प्रदेश में पेट्रोल पंप डीलर्स संघ की ओर से हड़ताल को स्थगित करे हुए चार दिन बीत चुके हैं, परंतु राज्य सरकार ने अभी तक भी ''एम्पावर्ड कमेटी'' का गठन भी नहीं किया है, जो पेट्रोलियम डीलर्स के साथ चर्चा करके वैट की दरें संशोधित कर कम करने का सुझाव देगी। जैसा कि विदित है कि गत शुक्रवार को राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स संघ की ओर से उनकी हड़ताल पर इस शर्त पर स्थगित किया गया था कि राज्य सरकार ''एम्पावर्ड कमेटी'', जिसमें कम से कम तीन जने पेट्रोलियम डीलर्स संघ के होंगे, का गठन कर वैट की दरें कम करने का सुझाव राज्य सरकार को देगी, और वह उस पर अमल भी करेगी।

सचिवालय में हुई प्रैस कॉन्फ्रैंस में जब मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास से पूछा गया था कि राज्य सरकार ''एम्पावर्ड कमेटी'' के गठन के लिये आदेश कब पारित करेगी, तब उन्होंने भरोसे के साथ ऊंचे स्वरों में कहा था, ''हमने मीडिया में बयान दे दिया है तो इसे आदेश ही समझें।'' प्रताप सिंह खाचरियावास ने मीडिया को यह भी बताया था कि राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स संघ के तीन सदस्यों के अलावा वित्त विभाग के कुछ अधिकारियों को भी इस कमेटी का सदस्य बनाया जायेगा, जो सभी संबंधित पार्टियों से चर्चा कर पेट्रोलियम पर वैट की दरें कम करने का सुझाव राज्य सरकार को देगी। उन्होंने मीडिया को कहा था कि उनकी पेट्रोलियम डीलर्स संघ के अधिकारियों से चर्चा कई दिनो से चल रही थी, और उनका मानना है कि वैट की दरें कम करने से ना केवल उपभोक्ताओं को लाभ होगा बल्कि राज्य सरकार के राजस्व में भी वृद्धि होगी।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को ''एम्पावर्ड कमेटी'' के गठन के संबंध में राज्य सरकार की ओर से कोई आदेश पारित नहीं किये गये, तब मीडिया को यह बताया गया था कि वित्त सचिव सरकारी कार्य से प्रदेश के बाहर गये हुए हैं, उनके आते ही राज्य सरकार कमेटी का गठन भी करेगी ओर आदेश भी पारित करेगी। परंतु सोमवार व मंगलवार को भी राज्य सरकार ने किसी भी कमेटी के गठन के आदेश पारित नहीं किये। इस पर प्रतिक्रिया करते हुए राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स संघ के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र सिंह भाटी ने हैरानी जताते हुए कहा कि यह सही बात है कि सचिवालय की बैठक के चार दिन बाद भी राज्य सरकार ने किसी कमेटी का गठन नहीं किया है जबकि कमेटी को ही 10 दिन का समय अपना प्रस्ताव पेश करने के लिये समय दिया गया था।

उन्होंने कहा कि वह अभी भी अपने दिये गये बयान पर टिके रहेंगे और 24 तारीख तक हड़ताल पुनःआरंभ नहीं करेंगे, ''हम लोगों को दिखाना चाहते हैं कि हम गलत नहीं हैं, पर सरकार गलत है, क्योंकि उसने सबके सामने मीडिया में दिये अपने बयान पर भी खरी नहीं उतरी।'' उन्होंने आगे कहा कि इस बार राज्य सरकार ने अपने दिये गये वचन पर नहीं चले तो 24 तारीख के बाद वह लोगों की मांग को देखते हुए ज्यादातर बड़े जिलों में हड़ताल शुरू करेंगे।

नए भवन में कार्यवाही स्थगन के साथ राज्यसभा की शुरुआत हुई

नई दिल्ली, 19 सितम्बर (वार्ता)। नये संसद भवन में राज्यसभा की कार्यवाही की शुरूआत स्थगन के साथ ही हुई और सदन के समवेत होते ही उसकी कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी गयी। नये संसद भवन में मंगलवार को राज्यसभा की कार्यवाही का पहला दिन था और कार्यवाही की शुरूआत सवा दो बजे से होनी थी। सभापति ने सही सवा दो बजे सदन की कार्यवाही शुरू करते हुए कहा कि वह सदन में विभिन्न दलों के नेताओं के साथ महत्वपूर्ण विचार विमर्श के लिए कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर रहे हैं।

- **सदन की शुरुआत होते ही कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी गयी।**

'महिला आरक्षण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजनीति से ऊपर उठने, अपनी बात कहने और महिला आरक्षण विधेयक को संसद से पारित कराने का समय आ गया है। कांग्रेस उन्हें बिना शर्त समर्थन की पेशकश करती है।''

गांधी ने महिला आरक्षण के संबंध में मोदी को 16 जुलाई 2018 में लिखे पत्र को भी पोस्ट किया है, जिसमें वह संसद में महिलाओं को आरक्षण देने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री से उसी साल मानसून सत्र में ही महिलाओं को आरक्षण देने वाले विधेयक को पारित कराने की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेस संचार विभाग की प्रभारी जय राम रमेश ने भी इस एक्स पोस्ट पर डाला है और कहा है, ''कांग्रेस पार्टी लंबे समय से महिला आरक्षण को लागू करने की मांग कर रही है। हम कथित तौर पर सामने आ रहे केंद्रीय मंत्रिमंडल के फ़ैसले का स्वागत करते हैं और विधेयक के विवरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। विशेष सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक में इस पर अच्छी तरह से चर्चा की जा सकती थी और पर्दे के पीछे वाली राजनीति के बजाय आम सहमति बनाई जा सकती थी।''

नए संसद भवन में सबसे पहले...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विरोधस्वरुप, नये संसद में पहले ही दिन, पहली ही बैठक के बीच कांग्रेस सांसदों के वैल में जाने के प्रयास से कुछ ही क्षण पूर्व, प्रधानमंत्री ने 128 वें संविधान संशोधन विधेयक पर सर्वसम्मति के लिए सदन का आव्हान किया। मेघवाल ने विरोध कर रहे विपक्षी सांसदों से कहा, ''संसद के काम-काज की संशोधित सूची में यह विधेयक शामिल है। यह आपके सम्मुख रखे टैबलेट्स पर भी अपलोड कर दिया गया है।'' लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने नये भवन में अपनी प्रथम टिप्पणी में कहा कि, यू.पी.ए. के शासन काल में 2010 में पारित हुआ विधेयक जीवित है। चौधरी की इस टिप्पणी पर प्रतिवाद करते हुये केन्द्रीय गृहमंत्री ने ऑन रिकॉर्ड चौधरी से कहा कि, या तो इसे प्रमाणित करें या फिर अपनी टिप्पणी को वापस लें।

अधीर रंजन चौधरी को अपनी टिप्पणी को प्रमाणित करने की चुनौती देते हुये, गृहमंत्री ने कहा, ''पूर्ववर्ती विधेयक राज्यसभा ने 9 मार्च, 2010 को पारित किया था। राज्यसभा ने इसे लोकसभा में भेज दिया था तथा यह लोकसभा की सम्पत्ति बन गया था और अन्ततोगत्वा 18 मई, 2014 को लोकसभा के भंग होने के साथ ही, यह रद्द हो गया था।'' शाह ने चौधरी की इस टिप्पणी पर भी उन्हें चुनौती दी कि, यह विधेयक लोकसभा में पारित हो गया था तथा राज्यसभा में पारित नहीं हो सका था। नया संसद भवन पुराने दुर्भाव एवं रुखेपन का साक्षी बन गया, जब शाह ने कहा, ''अधीर रंजन की दोनों टिप्पणियाँ तथ्यात्मक रुप से गलत हैं तथा वे या तो प्रमाणित की जानी चाहिये, या वापस ली जानी चाहिये।'' इससे पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि, यह विधेयक महिलाओं के नेतृत्व में होने वाले विकास को लेकर उनकी सरकार के संकल्प को मजबूत करेगा। अति महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों एवं लोकसभा चुनाव से पूर्व, देश की आधी आबादी को आकर्षित करने वाले कदम के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा, ''राजनीति में महिलाओं का योगदान तथा नीति-निर्माण में उनकी उपस्थिति बढ़नी चाहिये।'' इस विधेयक में वही प्रावधान हैं जो पूर्व विधेयक में थे। मेघवाल ने कहा कि, इस विधेयक में संविधान के चार अनुच्छेदों के संशोधन शामिल हैं- दिल्ली विधानसभा की एन.सी.टी. में महिलाओं के लिये 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने वाला अनुच्छेद 239 ए.ए., लोकसभा में महिलाओं के लिये एक-तिहाई आरक्षण के लिये अनुच्छेद 330 ए, राज्य विधानसभाओं महिलाओं के एक -तिहाई आरक्षण के लिये अनुच्छेद 332 ए तथा 15 साल तक महिला आरक्षण दिये जाने तथा संसद को इस अवधि को बढ़ाये जाने का अधिकार देने के लिये अनुच्छेद 334ए।

इस विधेयक के पारित हो जाने के बाद, लोकसभा की 543 सीटों में से 181 सीटें महिला उम्मीदवारों के लिये आरक्षित हो जायेंगी। यह विधेयक अगली जनगणना, जो 2026 से पहले नहीं होगी, के बाद होने वाले प्रथम परिसीमन की कवायद के बाद ही लागू होगा। इस विधेयक में, हर परिसीमन के बाद, महिलाओं के लिये आरक्षित सीटें रोटेशन से तय किये जाने का प्रावधान किया गया है। 2026 में, परिसीमन की वर्तमान सीमा हटने के बाद, यह आरक्षण कोटा 2029 के लोकसभा चुनावों तक लागू होने की संभावना है। विधेयक, कोटा के अंदर कोटा प्रदान करता है: लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला- आरक्षण के तहत एक -तिहाई सीटें एस.सी./एस.टी. के लिये अलग रखी जायेंगी।

इससे पूर्व, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने महिला आरक्षण बिल संसद में पेश किए जाने की अटकलों के बीच कहा कि महिला आरक्षण विधएयक ''हमारा है।''

कांग्रेस ने सोमवार को इस कथित कदम का स्वागत किया था तथा कहा था कि, पार्टी लम्बे समय से इसकी मांग कर रही थी। मंगलवार को संसद में प्रवेश करते समय, उससे इस विधेयक के बारे में पूछे जाने पर, श्रीमती गांधी ने कहा था, ''यह हमारा है, अपना है। एक दिन पूर्व, एक्स पर डाली गई अपनी एक पोस्ट में, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा था, ''हम केन्द्रीय मंत्रिमंडल के कथित निर्णय का स्वागत करते हैं तथा हमें विधेयक के विवरण की प्रतीक्षा है।'' उन्होंने कहा था, ''इसे गोपनीयता के पर्दे में रखे जाने के बजाय, विशेष सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में इस पर अच्छी तरह चर्चा हो सकती थी तथा सर्वसम्मति बनाई जा सकती थी।'' वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदम्बरम ने कहा कि, अगर सरकार मंगलवार को महिला विधेयक पेश कर देती है तो यह ''कांग्रेस तथा यू.पी.ए. सरकार में शामिल उसके मित्र दलों की जीत'' होगी। यू.पी.ए. शासन काल में, यह विधेयक 9 मार्च 2010 को राज्यसभा में पारित हो गया था। लेकिन यह लोकसभा में नहीं गया था।

यह कहना निष्पक्षतापूर्ण होगा कि विधायिकाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत राजनैतिक आरक्षण उपलब्ध कराये जाने का श्रेय भाजपा और कांग्रेस दोनों को ही जाता है। कांग्रेस ने प्रक्रिया की पहल की तथा इसे कानून बनाने की अनेक कोशिशें कीं तथा भाजपा ने अन्ततः इस मुद्दे को हाथ में लिया है, बशर्ते यह संसद के दोनों सदनों में पारित हो जाये।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908